दैनिक
आदित्यवर्ण तमसः परस्तात्
नव प्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | रायपुर, गुरुवार 16 अप्रैल 2020, वैशाख कृष्ण पक्ष-नवमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-65 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

कोरोना से भी ज्यादा खतरनाक है वो अफवाह बाज जो सुनियोजित षड्यंत्र के तहत महानगरों में भगदड़ की स्थिति निर्मित करने से बाज नहीं आ रहे हैं। पहले नई दिल्ली से हजारों लोग पैदल ही यूपी और बिहार के लिए निकल पड़े थे। अब ऐसी ही घटना मुंबई में हुई जहां हजारों तथाकथित मजदूर अपने घर लौटने के लिए रेलवे स्टेशन पर उमड़ पड़े। निश्चित रूप से ऐसी घटनाओं के पिछे देश विरोधी ताकतों की साजिश हो सकती है। मानवता के इस दुश्मनों की पहचान कर उन्हें दंडित करने की सख्त जरूरत है। अन्यथा कोरोना के खिलाफ जंग में हमारी जीत दूर होती जाएगी।

कोरोना इंडिया

कंफर्म केस	-	11906
एक्टिव केस	-	10071
ठीक हुए	-	1430
मौत	-	405

इस साल सामान्य रहेगा मॉनसून: आईएमडी

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के बीच एक अच्छी खबर है। देश में इस बार मॉनसून सामान्य रहेगा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को 2020 के लिए मॉनसून से जुड़े पहले पूर्वानुमान को जारी किया। उसने इस सीजन में सामान्य मॉनसून की भविष्यवाणी की है। देश के अलग-अलग हिस्सों में मॉनसून अलग-अलग वक्त पर आता और लौटता है। हालांकि, केरल में मॉनसून 1 जून को ही दस्तक देगा। आम तौर पर देश में मॉनसून 1 जून के आस-पास केरल के तट पर दस्तक देता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में सचिव एम. राजीवन ने बुधवार को बताया कि इस बार के मॉनसून सीजन में लंबी अवधि की बारिश का औसत 100 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

अनिश्चितकाल के लिए आईपीएल स्थगित

मुंबई, (वार्ता)। वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस के खतरे के कारण देशभर में लॉकडाउन के तीन मई तक बढ़ने के कारण आईपीएल के 13वें संस्करण को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। आईपीएल का आयोजन 29 मार्च से होना था लेकिन पहले लगाए गए लॉकडाउन के कारण बीसीसीआई ने पहले आईपीएल को 15 अप्रैल तक स्थगित करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंगलवार को लॉकडाउन को तीन मई तक बढ़ाने के बाद बीसीसीई ने आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने का फैसला किया है।

बस्तर में एम्बुलेंस है लेकिन दूरस्त गांव तक पहुंच मार्ग अब भी बदत्तर

बुढ़े सुखो पोयाम को यूं लेने पहुंची 108 तब बची जान

नवप्रदेश संवाददाता

स्वास्थ्य टीम ने खाट के सहारे तय किया 1 किमी का रास्ता

बीजापुर। संजीवनी साबित हो रही है एम्बुलेंस 108 सुविधा। खासकर बस्तर जैसे दुरूह रास्तों में जहां एम्बुलेंस सेवा तो है पर पहुंच मार्ग नहीं। ऐसे कई गांव हैं जहां रास्ता या रोड के नाम पर अब भी सिर्फ पथरीली या उबड़-खाबड़ पगडंडियां ही हैं। ऐसे में ग्रामीणों तक चिकित्सिकीय सुविधा तो दूर बल्कि उनके लिए शुरु की गई एम्बुलेंस 108 भी नहीं पहुंच सकती। ऐसा ही एक वाक्या आज जिला भैरमगढ़ ब्लॉक के टिंडडोढ़ी गांव का है। जहां बूढ़े सुखो पोयाम 68 वर्ष की हालत बहुत खराब थी। उसके शरीर में सूजन और तेज बुखार से उसकी हालत बुरी तरह खराब हो गई। जान जोखिम में देखकर गांव वालों ने मदद के लिए एम्बुलेंस 108 की सेवा को कॉल किया। मरीज की तबियत बिगड़ती ही जा रही थी और अस्पताल व एम्बुलेंस करीब 9 किलो मीटर दूर थी। मदद के लिए बाकायदा एम्बुलेंस ■ शेष पृष्ठ 6 पर

इनकी मेहनत से बची जिंदगी

एम्बुलेंस ईएमई हैमराज सिंह, टी.एल.आलिया, पायलट रमेश कुमार और सिवा तोगर ईएमटी ने बताया कि वे मरीज को लेने पैदल ही निकल पड़े और मरीज के परिजनों के साथ उनके सहयोग से सूझबूझ दिखाते हुए काट के माध्यम से एंबुलेंस तक कुद पायलटों ने लाया ऐसी कई अंदरूनी क्षेत्रों तक स्वस्थ टीम को पहुंचने के लिए कहीं कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

लॉकडाउन को लेकर गृह मंत्रालय ने जारी किए नए दिशा निर्देश

लॉकडाउन -2 में बंद रहेंगे स्कूल कॉलेज और सभी धार्मिक स्थल

नई दिल्ली ए.। कोरोना वायरस के चलते देश में तीन मई तक बढ़ाए गए लॉकडाउन के बाद सरकार ने बुधवार को नए दिशा निर्देश जारी कर दिए। यह दिशा निर्देश तीन मई तक के लिए जारी किए गए हैं, जब तक लॉकडाउन चलेगा। संशोधित दिशा निर्देशों के अनुसार, हवाई, रेल और सड़क मार्ग से यात्रा करना, शैक्षणिक और प्रशिक्षण संस्थानों का संचालन, औद्योगिक और वाणिज्यिक गतिविधियां, सिनेमा हॉल और शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर रोक लागू रहेगी। सरकार ने कहा है कि चूंकि, लॉकडाउन-2 के दौरान सभी स्कूल-कॉलेज, कोचिंग आदि बंद रहेंगे तो ऐसे में ऑनलाइन शिक्षा दी जा सकती है। सभी सामाजिक, राजनीतिक और अन्य आयोजनों पर भी रोक जारी रहेगी। इसके

अलावा जब तक देश में लॉकडाउन लागू है, तब तक सभी धार्मिक स्थलों को भी बंद रखा जाएगा।

मास्क का इस्तेमाल करना अनिवार्य

कार्यस्थल और सार्वजनिक स्थानों पर घर में बने मास्क का इस्तेमाल करना अनिवार्य कर दिया गया है। संशोधित दिशा निर्देशों के अनुसार, कार्यालयों को सैनिटाइटर उपलब्ध कराने, गाइडलाइन्स के अनुसार शिफ्ट चलाने, थर्मल स्क्रीनिंग कराने के आदेश दिए गए हैं। सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार, लॉकडाउन के दूसरे चरण में खेती से जुड़े कामों को छूट दी गई हैं। मंडियों भी चालू रहेंगी। कृषि से जुड़ी दुकानें, ■ शेष पृष्ठ 6 पर

मुरादाबाद में डॉक्टरों की टीम पर हमला

सीएम योगी ने दिए एनएसए लगाने और वसूली के आदेश

लखनऊ ए.। उत्तर प्रदेश मुरादाबाद में मरीजों को लेने गई डॉक्टरों की टीम पर हमले की घटना को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने दोषी व्यक्तियों के खिलाफ आपदा नियंत्रण अधिनियम और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (ह्र्र) के तहत कार्रवाई का आदेश दिया है, साथ ही तोड़फोड़ में हुए संपत्ति के नुकसान की भरपाई दोषियों से ही की जाएगी। मुरादाबाद में मंगलवार देर रात एक कोरोना मरीज की मौत हो गई थी। मेडिकल टीम इस मौत के बाद हाजी नेक की मस्जिद के पास से मरीज के ■ शेष पृष्ठ 6 पर

डॉक्टरों, पुलिस और सफाई से जुड़े लोगों पर हमला अक्षम्य अपराध: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर्स व कर्मी, सभी सफाई अभियान से जुड़े अधिकारी/कर्मचारी, सुरक्षा में लगे सभी पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी इस आपदा की घड़ी में दिन रात सेवा कार्य में जुटे हैं। इन पर हमला एक अक्षम्य अपराध है, जिसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

छत्तीसगढ़ के 23 जिलों में एक भी मरीज नहीं

राज्य सरकार 20 को ले सकती है बड़ा फैसला

- **केबिनेट सचिव की वीडियो कान्फ्रेंसिंग में गृह मंत्रालय द्वारा जारी संशोधित गाइडलाईन का पालन करने के निर्देश**

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। केन्द्र सरकार ने आज लॉकडाउन 2 के लिए जारी की संशोधित गाइडलाईन का पालन कराने के लिए भारत सरकार के केबिनेट सेक्रेटरी राजीव गौबा ने छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव आर.पी. मंडल, अपर मुख्य सचिव गृह सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव वाणिज्य एवं उद्योग मनोज पिंगुआ, सचिव स्वास्थ्य निहारिका बारिक सिंह, सचिव सामान्य प्रशासन विभाग कमलप्रीत सिंह तथा अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। सभी राज्यों के मुख्य सचिव, गृह सचिव, स्वास्थ्य सचिव, उद्योग सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के साथ वीडियो कान्फ्रेसिंग के माध्यम से कोविड-19 वायरस की रोकथाम तथा नियंत्रण तथा लॉकडाउन का क्रियान्वयन करने के संबंध में विस्तार से समीक्षा की गई। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

4933 व्यक्तियों के टेस्ट जिसमें 31 पॉजिटिव तथा 4902 नेगेटिव पाये

मुख्य सचिव आर.पी. मण्डल ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में 4933 व्यक्तियों के टेस्ट किए गये जिसमें 31 पॉजिटिव तथा 4902 नेगेटिव पाये गये। यह भारत वर्ष में सबसे न्यूनतम रहा है। 28 जिलों में से 23 जिलों में कोविड-19 के एक भी मरीज नहीं है। मुख्य सचिव ने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम एवं ईलाज हेतु 500 बेड के हिसाब से 1700 बेड डेडीकेटेड सुविधायुक्त हास्पिटल/यूनिट तैयार है। उसके अलावा पर्याप्त मात्रा में रैपिड टेस्टिंग किट्स, पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्यूपमेंट (पी.पी.ई.) किट्स और अन्य सामग्री उपलब्ध है।

20 तारीख तक परीक्षण कर लिया जाए

केबिनेट सेक्रेटरी द्वारा निर्देश दिए गए कि आगामी 20 तारीख तक परीक्षण कर लिया जाए कि कौन-कौन से कार्य को सोशल डिस्टेंसिंग तथा फिजिकल डिस्टेंसिंग करके किए जा सकते है। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा के अंतर्गत किए जाने वाले कार्य, वाटर कन्जर्वेशन, सड़क, तालाब आदि को सोशल डिस्टेंसिंग तथा फिजिकल डिस्टेंसिंग करके किए जा सकते है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराया जा सके।

कोरोना चमगादड़ों में भी लेकिन वो अलग

आईसीएमआर के प्रवक्ता ने कहा कि चमगादड़ का वायरस इंसान में आने की पुष्टि नहीं

नई दिल्ली ए.। कोरोना वायरस चमगादड़ों में पाया जाता है, लेकिन वह चमगादड़ों का ही वायरस होता है, इंसानों में नहीं आ सकता। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के प्रवक्ता ने आज कोरोना पर डेली ब्रीफिंग के दौरान बताया कि चमगादड़ों से इंसान में कोरोना वायरस आने की घटना हजार साल में एकाध बार हो जाए तो यही बहुत बड़ी बात है।

चीन में हुए रिसर्च का हवाला

उन्होंने कहा, 'चमगादड़ दो तरह किस्म होते हैं। उनमें कोरोना वायरस पाया तो गया, लेकिन वह चमगादड़ का ही वायरस है। वह इंसान में नहीं आ सकता है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

जिलों की तीन कैटिगरी

उन्होंने बताया कि कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में राज्यों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से चर्चा हुई। इस मीटिंग में कंटेनमेंट स्ट्रैटिजी फील्ड लेवलल को मैनेज करने के बारे में बताया गया। कंटेनमेंट जोन में स्पेशल टीम के जरिए सैंपल टेस्टिंग की जाएगी। बफर जोन में सभी स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। जिलों के सभी स्टाफको उचित प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया गया है। अगरवाल ने कहा, 'देश के सभी जिलों को हॉटस्पॉट, नॉन-हॉटस्पॉट और ग्रीन जोन डिस्ट्रिक्ट में बांटा गया है। हॉटस्पॉट वो जिले हैं जहां ज्यादा केस आ रहे हैं या बीमारी बढ़ने की दर ज्यादा है। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

कोरोना के मामले 11 हजार के पार, कम्युनिटी ट्रांसमिशन नहीं

भारत में कोरोना संक्रमण के आंकड़े 11 हजार के पार पहुंच गए हैं। केंद्र सरकार, राज्य सरकारों के साथ मिलकर इस महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। वहीं, देश का बुलेटिन जारी करते हुए आज स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने एक सवाल के जवाब में कहा है कि अभी तक देश में कम्युनिटीट ट्रांसमिशन की स्थिति नहीं बनी है। वहीं, उन्होंने कहा है कि राज्यों को केंद्र सरकार की तरफसे एक विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया गया है और लॉकडाउन ■ शेष पृष्ठ 6 पर

■ न्यूज गैलरी

पटरीपार के 3 वार्डो को किया सेनेटाईज

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल एवं निगम आयुक्त इंद्रजीत बर्मन के मार्गदर्शन में लगातार शहर के वार्डो को दवाई छिड़क आकर सिंह टाइप किया जा रहा है इस दिशा में निगम का अमला पटरीपार के शहीद भगत सिंह वार्ड, तितुरडीह वार्ड, स्टेशनपारा वार्ड के अनेक क्षेत्रों में दवाई का छिड़काव कर वादों को सैनिटाइज किया गया। आज सेनीटाइज करने धमधानाका के पास सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान, स्टेडियम के पास चौपाटी के सामने जीरो सेंटर, ग्रीन चौक के पास होटल, शहीद भगत सिंह वार्ड तालाब, स्टेशनपारा वार्ड जामा मस्जिद, कैलाश नगर तालाब क्षेत्र, आलू गोदाम रोड में, रेस्टोरेंट एंड बार के पास, हनुमान नगर, शहीद भगत सिंह स्कूल, तितुरडीह क्षेत्र के घर के पास दवाई का छिड़काव कर क्षेत्रों को सैनिटाइज की गई ।

बीएसपी द्वारा उत्पादित ऑक्सीजन मरीजों के लिए बना जीवनदायिनी

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। इस्पात संयंत्र के ऑक्सीजन प्लांट-2 एवं ऑक्सीजन प्लांट-3 द्वारा उत्पादित ऑक्सीजन जहाँ संयंत्र के विभिन्न विभागों के संचालन हेतु आवश्यक बना हुआ है, वहीं आज अस्पतालों में मरीजों के लिए जीवनदायिनी सिद्ध हो रहा है। कोविड-19 के मरीजों के इलाज में भी ऑक्सीजन आपूर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। बीएसपी के जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में मरीजों के जीवनरक्षा हेतु लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन यूनिट की स्थापना के साथ ही आकस्मिक ऑक्सीजन सप्लाई हेतु 100 सिलेंडरों का स्टैंडबाय सिस्टम को भी संचालित किया जा रहा है।

संयंत्र के ऑक्सीजन ने दिया जीवन

संयंत्र के ऑक्सीजन ने मरीजों के जीवन बचाने में अहम् भूमिका निभाई है। आज जहाँ संयंत्र का ऑक्सीजन प्लांट-2 जवाहरलाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र को ऑक्सीजन सिलेंडरों की आपूर्ति कर रहा है। वहीं संयंत्र का ऑक्सीजन प्लांट-3 जोकि प्रॉक्स एयर लिंडे द्वारा संचालित है, इसके द्वारा अस्पताल में स्थापित लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट को लिक्विड ऑक्सीजन की सप्लाई की जा रही है। यदि किसी कारणवश लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट बंद हो जाता है तो सिलेंडर संचालित स्टैंडबाय सिस्टम को चालू कर वार्ड व आईसीयू को ऑक्सीजन की ऑनलाइन आपूर्ति की जाती है।

प्रदेश के कई चिकित्सकीय संस्थानों में ऑक्सीजन की आपूर्ति

भिलाई इस्पात संयंत्र में स्थित एवं प्रॉक्स एयर लिंडे द्वारा संचालित ऑक्सीजन प्लांट-3 द्वारा सेल-बीएसपी के मुख्य चिकित्सालय के साथ-साथ प्रदेश के अन्य चिकित्सकीय संस्थानों में भी ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही है। इनमें प्रमुख हैं चन्दूलाल चन्द्राकर मेमोरियल मेडिकल कॉलेज, शासकीय मेडिकल कॉलेज, रायपुर (मेकाहारा), शासकीय मेडिकल कॉलेज, जगदलपुर, एमएमआई, रायपुर। इस प्रकार इस्पात संयंत्र द्वारा उत्पादित ऑक्सीजन ने अब तक लाखों मरीजों के जीवन को बचाने में कामयाबी हासिल की है। वर्तमान में कोरोना वायरस के संकट में भी ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित कर जीवन दायिनी की भूमिका निभा रहा है।

कई बिस्तरों में सीधे ऑक्सीजन सप्लाई

चिकित्सालय के कई बिस्तरों को सीधे ऑक्सीजन सप्लाई से जोड़ दिया गया है। जहाँ भर्ती मरीजों को तत्काल ऑक्सीजन देकर जीवन बचाया जा रहा है। आज कोविड-19 से बचाव के लिए भी सुचारू ऑक्सीजन सप्लाई अति आवश्यक है। आज अस्पताल प्रबंधन ने अपनी तैयारियों के संदर्भ में बताते हुए कहा कि लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट के साथ-साथ 100 सिलेंडरों वाला स्टैंडबाय सिस्टम को भी तैयार रखा गया है। इसके अतिरिक्त इमरजेंसी हेतु 350 ऑक्सीजन सिलेंडर के स्टॉक की भी अलग से व्यवस्था की गई है। लिक्विड ऑक्सीजन को (-) 183 डिग्री सेंटीग्रेड पर स्टोर किया जाता है। इसका संचालन चिकित्सालय का अनुरक्षण एवं सेवाएँ विभाग द्वारा किया जा रहा है।

मरीजों को ऑक्सीजन की ऑनलाइन आपूर्ति

चिकित्सालय में मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति ऑनलाइन की जाती है, इस हेतु पूरे अस्पताल में ऑक्सीजन पाइपलाईन का जाल बिछाया गया है। इसके तहत वार्ड, ऑपरेशन थिएटर, केजुअल्टी, आईसीयू आदि जगहों पर मरीजों को ऑक्सीजन प्रदान करने हेतु आपूर्ति प्वाइंट बनाए गए हैं। इस प्रकार भिलाई इस्पात संयंत्र का संचालन मरीजों के जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इंटेकवेल में खराबी से नहीं खुला नल

विधायक व महापौर ने किया अफसरों को तलब

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। शिवनाथ नदी तट पर स्थित इंटेकवेल का ट्रांसफार्मर अचानक खराब होने के कारण आज पूरे शहर की वाटर सप्लाई ठप रही। शहर में पानी सप्लाई पर असर पड़ने की खबर मिलते ही विधायक अरूण वोरा और महापौर धीरज बाकलीवाल ने इंटेकवेल का जायजा लिया। उन्होंने स्टैंडबाई रखे दूसरे ट्रांसफार्मर को चालू कर तत्काल पानी सप्लाई की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। विधायक और महापौर को सुबह की पाली में शहर में पानी सप्लाई न होने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्होंने इंटेकवेल के सब स्टेशन में निगम अधिकारियों को तलब किया। तकनीकी समस्या की जानकारी मिलने पर उन्होंने अफसरों को ट्रांसफार्मर में ऑइल सहित अन्य आवश्यक सामग्री की तत्काल खरीदी करते हुए पानी सप्लाई की व्यवस्था करने कहा। वोरा ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो गया है। वर्तमान में जल जनित बीमारी पीलिया की रोकथाम के लिए शहर की पानी टंकियों की सफाई की जा रही है। इसके लिए रोज एक टंकी की सफाई की जा रही है। टंकी की सफाई होने पर उस एरिया में एक बार ही पानी की सप्लाई हो रही है। शहर में पानी सप्लाई न होने पर आम जनता की परेशानी बढ़ेगी। उन्होंने तकनीकी खराबी को तत्काल सुधारने और शहर में वाटर सप्लाई शुरू करने के निर्देश दिए। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कहा कि शहर में लॉक डाउन जारी है। ऐसे में पानी जैसी मूलभूत समस्या न होने देने के लिए निगम अफसर सभी जरूरी तैयारियां पहले से कर लें। नागरिकों को जलसंकट की समस्या नहीं होना चाहिए। निगम अधिकारियों ने विधायकों और महापौर को आश्वस्त करते हुए कहा कि दूसरा ट्रांसफार्मर चालू कर सप्लाई शुरू कर दी जाएगी।

चढ़ाए बाबा साहेब पर श्रध्दा के फूल

14 अप्रैल को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर जी का 129 वां जयंती है। इस मौके पर विधायक अरुण वोरा एवं महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में स्थापित बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें फूलमाला चढ़ाये। उन्होंने उनके सामाजिक संघर्षो को याद किया तथा उनके संविधान के लिए उनके सम्मान में नमन कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस दौरान सतीश समर्थ व अन्य उपस्थित थे।

अत्यावश्यक सेवा में लगे वाहनों को भी किया सेनीटाइज

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। निगम क्षेत्र में अत्यावश्यक सेवा में लगे हुए वाहनों को भी सैनिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। लॉक डाउन के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं के तहत निगम की वाहने अलग.अलग कार्यों के लिए उपयोग में लाई जा रही है, स्वच्छता के कार्यों में भी वाहन लगे हुए हैं इसके साथ ही निगम के वाहन विभाग तथा जोन क्षेत्र से शव वाहन, डंपर, ट्रैक्टर, एप्पे, वाटर टैंकर एवं अन्य वाहन संचालित होती है। यह वाहन सतत रूप से आवश्यक सेवाओं के कार्यों में लगी होती है। शव वाहन के जाने के पूर्व एवं उसके आने के पश्चात निरंतर सोडियम हाइपोक्लोराइट से सैनिटाइज करने का कार्य किया जा रहा है। निगम क्षेत्र में निगम प्रशासन लगातार सघन रूप से सफाई कार्य में जुटी हुई है। स्वच्छता पर्यवेक्षक व जोन के स्वास्थ्य अधिकारी प्रतिदिन दोनो पालियों की सफाई कार्य की मॉनिटरिंग भी कर रहे हैं। प्रतिदिन सुबह कचरों के उठाव होने के साथ ही एवं नालियों की सफाई पश्चात ब्लीचिंग एवं चूना पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है। निगम द्वारा संचालित हाथ धुलाई केन्द्रों में लोगों हाथ धोने के तरीके बताए जा रहे है। जनजागरूकता हेतु स्वस्थ रहने के उपाय बताते हुए पंपलेट चस्पा एवं वितरण कर रहे है। महापौर देवेंद्र यादव एवं आयुक्त ऋतुराज रघुवंशी के निर्देशानुसार निगम का स्वास्थ्य अमला सफाई कार्य में जुटे है।

खाद्यान्न वितरण करने कर्मचारी नियुक्त

भिलाई नगर। निगम क्षेत्र अंतर्गत लॉकडाउन के दौरान भूखे, गरीब, असहाय, मजदूर एवं इसी प्रकार के अन्य लोगों तक खाद्यान्न एवं पका भोजन वितरण के लिए नगर निगम के कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी गई है। अब निगम के कर्मचारी जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य करेंगे। नियुक्त किए निगम के कर्मचारी को जोनवार कार्य करने आदेशित किया, इसका आदेश उपायुक्त तरुण पाल लहरें ने जारी कर दिया है। जरूरतमंदों तक राहत सामग्री पहुंचाने के लिए निगम से कर्मचारी नियुक्त किए है। अलग अलग विभागवार एवं अन्य विभागों के कर्मचारियों कि वार्ड वार ड्यूटी लगाई गई। प्रत्येक वार्ड के क्षेत्रफल को देखते हुए कर्मचारी नियुक्त किए गए है। एक वार्ड के लिए 2 से 4 कर्मचारी को कार्य करने आदेशित किया है।

सैनेटाइजेशन का द्वितीय चरण प्रारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। नगर पालिक निगम द्वारा कोरोना वायरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु सभी वार्डो में फागिंग कार्य एवं सैनेटाइजेशन का प्रथम चरण पूर्ण होने के पश्चात द्वितीय चरण युद्ध स्तर पर प्रारंभ हो गया है। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे के निर्देश पर स्वास्थय अमला द्वारा द्वितीय चरण का रूट चार्ज बनाकर सैनिटाइजेशन एवं फागिंग कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। उक्त हेतु रूट चार्ज निम्न वार्डो में नियत तिथि को किया जा रहा है। वार्ड 39 पुरैना के सभी वार्डो के चौक चौराहों एवं गलियों में, वार्ड 58 रिसाली सेक्टर दक्षिण में संपूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं ब्लाकों में, वार्ड 59 रिसाली सेक्टर उत्तर में संपूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं ब्लाकों, वार्ड 45 मरोदा सेक्टर में सम्पूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं ब्लाकों, वार्ड 62 रूआबांधा सेक्टर में सम्पूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं ब्लाकों, 16 को वार्ड 63 रूआबांधा बस्ती में सम्पूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं गलियों, 17 को वार्ड 44 टंकी मरोदा में सम्पूर्ण वार्ड के चौक चौराहों एवं गलियों, 18 को वार्ड 43 स्टेशन मरोदा में बीआरपी कॉलोनी, एचएसीएल कॉलोनी, शिव पारा, दुर्गा चौक चौराहों एवं गलियों, 19को वार्ड 43 स्टेशन मरोदा में शंकर पारा, बजरंग पारा, सूर्य नगर, उत्कल नगर, शांति नगर, संगम चौक, आजाद मार्केट, न्यू मार्केट, पटेल पारा, इंदिरा चौक, विजय चौक चौराहों एवं गलियों, 20 को वार्ड 42 नेवई में सम्पूर्ण एरिया के चौक चौराहों एवं गलियों, 21 को वार्ड क्रं. 63 तालपुरी ए.ब्लाक एवं बी.ब्लाक में सम्पूर्ण एरिया के चौक चौराहों एवं गलियों में सैनिटाइजेशन एवं फागिंग कार्य किया जाएगा।

क्षेत्र में एसीसी करा रही है सेनेटाइजेशन

नवप्रदेश संवाददाता

जामुल। कोरोना से सुरक्षित रखने के लिए एसीसी लगातार प्रयासरत है। कोरोना वायरस को दूर रखने के लिए एसीसी सीमेंट वर्क्स प्रबंधक वैभव दीक्षित के दिशा निर्देश में एवं एसीसी मानव संसाधन प्रमुख अनिल कुमार के मार्गदर्शन में एसीसी ट्रस्ट ने में दवाई का छिडकाव करवा रही है। एसीसी ने इस प्रयास के तहत जामुल के सार्वजनिक जगह एवं घनी आबादी वाले वार्डो में पर छिड़काव का काम कर रही है। इस कार्य को नगर पालिका अध्यक्ष सरोजनी चंद्राकर के एसीसी के इस कार्य देख कर सराहा। एसीसी ट्रस्ट द्वारा बनाये गए वालंटियर्स का भी पूर्ण सहयोग मिल रहा है और जामुल निवासी भी एसीसी के इस कार्य को खूब सराह रहे है। समय समय पर समस्त सेनेटाइजेशन से सम्बंधित कार्य व अन्य जागरूकता कार्यक्रम एसीसी ट्रस्ट मैनेजर ब्रजेश नायक व उनकी टीम द्वारा जमीनी स्तर पे सफल बना रहे हैं।

बेवजह घूमने वालों के होंगे वाहन जब्त

लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने पर पुलिस करेगी कठोर कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर अंकित आनंद और एसएसपी अजय यादव ने विभागीय अफसरों की बैठक लेकर 15 अप्रैल से लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी है। बैठक में स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा गया कि कई लोग मेडिकल स्टोर्स, सब्जी दुकान लेने की जानकारी देते हुए बाइक या अन्य वाहनो से सड़कों पर घूम रहे हैं। कई द्वारा लॉकडाउन के नियम का उल्लंघन किया जा रहा है। दुर्ग पुलिस ने 21 दिनों के लॉकडाउन में साढ़े चार हजार वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्यवाही की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने अब यह निर्णय लिया है कि 15 अप्रैल से वाहन चेकिंग के दौरान कोई भी व्यक्ति बिना कोई ठोस वजह के सड़क पर घूमते पाये जाने पर वाहन जब्त किया जाएगा। जब्त वाहन को लॉक डाउन हटने के बाद न्यायालय में पेश किया जाएगा। बिना मास्क के कोई भी व्यक्ति घर से बाहर घूमते पाए जाने पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। पुलिस ने मार्केट में सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने पर भी कार्यवाही की जाएगी। निगम प्रशासन ने पूर्व में खाद्य सामग्री बांटने वालो के लिए पास बनाए थे, जिसे तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया गया है। 15 अप्रैल से राज्य शासन द्वारा ऑन लाईन ई.पास जारी किया जाएगा। खाद्य सामग्री बांटने के लिये किसी भी सामाजिक संगठन को जारी पास के साथ निगम के कर्मचारी शामिल रहेंगे।

गरमाई राजनीति... पार्षद ने सामाग्री लौटाई, गरीबों की फिक्र करने की बजाय विपक्ष ने शुरू की राजनीति

जरूरतमंद परिवारों को वितरित राशन सामाग्री अप्राप्त

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। लॉकडाउन से त्रस्त परेशानहाल परिवारों को राहत देने राशन सामग्री बांटने के नाम पर राजनीति शुरू हो गई है। नगर निगम ने दानदाताओं और पार्षद निधि की राशि से वार्ड की जनता को राशन सामग्री बांटने की व्यवस्था की है। 14 अप्रैल को वार्ड 12 के पार्षद अजय वैद्य ने राशन सामग्री से भरे वाहन को वापस भेज दिया। इस मामले को लेकर अब शहर की राजनीति गरमा गई है। वाहन लौटाने के बाद नेता प्रतिपक्ष अजय वर्मा समेत अन्य भाजपा पार्षदों ने इस मामले को लेकर निगमके नोडल अफसर ईई मोहनपुरी गोस्वामी के सामने विरोध जताया। आरोप लगाया कि राशन सामग्री बांटने के लिए उपयोग हो रहे थैले में विधायक और महापौर की तस्वीर छापकर दान की राशि से श्रेय लिया जा रहा है। कोरोना संकट और लॉकडाउन के संवेदनशील दौर में थैले में विधायक, महापौर की फोटो छापना गलत है।

राशन सामग्री लौटाने पर क्या कहते हैं जिम्मेदार

लॉकडाउन घोषित होने के बाद हमने लगातार जरूरतमंद लोगों को राहत सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था की है। शासन.प्रशासन स्तर पर लगातार प्रयास किया गया ताकि गरीबों को परेशानी न हो। वार्ड में राशन सामग्री पहुंचने के बाद इसे लौटाना बहुत आपत्तिजनक है। गरीब परिवारों का हक छीना नहीं जा सकता। ये समय राजनीति करने का नहीं है। निगम प्रशासन से कहूंगा कि जरूरतमंद परिवारों को तत्काल राहत सामग्री पहुंचाने की व्यवस्था करें। **अरूण वोरा** विधायक

लॉकडाउन के बाद विधायक अरूण वोरा और महापौर के साथ सभी कांग्रेस पार्षद गरीबों को राशन और भोजन पहुंचाने की व्यवस्था में जुटे रहे। भाजपा पार्षद लापता रहे। भाजपा पार्षदों की नींद तीन दिन पहले खुली। अब वे जनता को राहत देने की बजाय अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। इस भीषण संकट के दौर में शहर में विधायक अरूण वोरा की सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। नेता प्रतिपक्ष बता दें कि पिछले 15 साल में भाजपा से निर्वाचित महापौर, सांसद व अन्य प्रमुख भाजपा नेताओं ने इस संकट के दौर में जनता के लिए क्या किया है। **अब्दुल गनी** प्रभारी लोककर्म विभाग निगम

विधायक अरूण वोरा प्रदेश के सबसे सक्रिय विधायक हैं। राज्य में सबसे पहले सीएम रिलीफ फंड में वोरा ने ही एक माह का वेतन डोनेट किया। नगर निगम को गरीबों के लिए राशन सामग्री खरीदने अपनी विधायक निधि से साढ़े 7 लाख रुपए भी दिए। विधायक वोरा की सलाह पर ही मेयर इन काउंसिल की बैठक में पार्षद निधि से राशन सामग्री खरीदने का प्रस्ताव पारित किया गया। दुर्ग निगम का प्रस्ताव अब पूरे प्रदेश में लागू हुआ। विधायक वोरा की सक्रियता से परेशान विपक्षी पार्षद अब गरीब जनता को हलाकान कर रहे हैं। भाजपा पार्षदों को समझना होगा कि इस समय वार्ड के गरीबों को राशन बांटना सबसे ज्यादा जरूरी है। ऐसे मामलों में राजनीति करना उचित नहीं है। **धीरज बाकलीवाल महापौर** निगम

दानदाताओं के दान से मिली रकम से राशन सामग्री बांटने के लिए थैले में विधायक, महापौर की तस्वीर छपवाना गलत है। शहर के दानदाताओं से मिली राशि का दुरुपयोग तस्वीर छपवाने में किया जा रहा है। भाजपा पार्षद अपने वार्डों में इस तरह के प्रचार से दूर रहकर जनता को राशन सामग्री बांटेंगे। **अजय वर्मा** नेता प्रतिपक्ष

संकट के दौर में ऐसे हैं हालात

वैश्विक महासंकट के दौर में भारत जैसे देश में गरीब जनता को कोरोना से ज्यादा भूख मिटाने की चिंता ज्यादा है। रोजी.रोजगार पूरी तरह बंद है। सरकारी राशन दुकानों से चावल, नमक, शक्कर जैसी सामग्री गरीब परिवारों को दी जा रही है। भोजन पकाने के लिए जरूरी दूसरी सामग्री खरीदने के लिए इन परिवारों के पास पैसा नहीं है।

हालात दिनोंदिन बदतर हो रहे हैं। इन गरीबों को फौरन राहत सामग्री देना जरूरी है। लेकिन नगर निगम में विपक्ष के पार्षदों ने इन गरीबों की चिंता नहीं की।

क्षेत्र के वॉलिंटियरों के निरस्त होगें आईडी कार्ड

जोन के नोडल अधिकारी के पास करेंगे जमा

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत दैनिक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति हेतु घर पहुंच सेवा प्रदान करने के लिए इच्छुक सदस्य, व्यक्ति को वार्ड वार वालंटियर नियुक्त किया गया था। कार्य में नियुक्त सक्रिय वॉलिंटियर को कार्य के दौरान संक्रमण का खतरा बना रहता है एवं विभिन्न परिस्थितियों को देखते हुए वॉलिंटियर की सेवाएं लॉक डाउन के दौरान समाप्त करते हुए उनको जारी किए गए आईडी को निरस्त कर दिया गया है तथा इसका आदेश भी उपायुक्त तरुण पाल लहरें ने जारी कर दिया है। अब वॉलिंटियर को जारी किए गए सभी आईडी अमान्य होंगे तथा वॉलिंटियर अपनी आईडी कार्ड संबंधित जोन के नोडल अधिकारी के पास जमा करेंगे। जोन क्रमांक 1 नेहरू नगर क्षेत्र के अंतर्गत नियुक्त वॉलिंटियर अपना आईडी कार्ड उप अभियंता रमन शर्मा, जोन क्रं. 2 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त वॉलिंटियर अपना आईडी कार्ड उप अभियंता पुरुषोत्तम सिन्हा, जोन क्रं. 3 मदर टैरेसा नगर क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त वालंटियर अपना आईडी कार्ड श्वेता वर्मा, जोन क्रं. 4 खुर्सीपार क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त वालंटियर अपना आईडी कार्ड उप अभियंता शंकर सुमन मरकाम एवं जोन क्रं. 5 सेक्टर क्षेत्र अंतर्गत नियुक्त वॉलिंटियर अपना आईडी कार्ड उप अभियंता श्वेता महेश्वर के पास जमा करेंगे। गौरतलब है कि लॉक डाउन के दौरान होम डिलीवरी की सेवा प्रदान करने के लिए भिलाई निगम क्षेत्र में इच्छुक व्यक्तियों, स्वयंसेवी को वॉलिंटियर नियुक्त किया गया था जिनको जारी की गई वॉलिंटियर पहचान पत्र अब अमान्य कर दी गई है।

■ न्यूज गैलरी

राहत शिविरों में जरूरतमंदों को मिल रहा है, घर-परिवार जैसा माहौल

रायपुर। कोरोना महामारी की वजह से देश व्यापी लॉकडाउन के चलते मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्देशन में जिला प्रशासन सूरजपुर द्वारा जिले में 31 राहत शिविरों का संचालन किया जा रहा है। राहत शिविर में ठहरे संकट ग्रस्त श्रमिकों एवं अन्य लोगों को रहने, खाने और अच्छा स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से उन्हें घर-परिवार जैसा माहौल मिल रहा है। सूरजपुर जिले में अन्य राज्यों से आए ग्रामीणों को जिले में संचालित राहत शिविरों में विशेष निगरानी में रखा गया है और उन्हें सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। सभी मजदूरों को अतिथि के रूप में जहॉं जिला प्रशासन द्वारा मेन्यू चार्ट अनुसार पौष्टिक भोजन के साथ दूध, फ्ल सहित अन्य खाद्य सामग्री एवं आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराई जा रही है। शिविरों में रूके श्रमिको व उनके परिवारों का स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियमित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जा रहा हैं।

ट्रक की चपेट में आने से युवक की मौत

रायपुर। लाकडाउन के चलते इन दिनों शहर की सड़कें सुनसान हैं। जिसके चलते दोपहिया एवं चौपहिया वाहन चालक आये दिन तेज रफ्तार वाहन चलाकर दुर्घटना को अंजाम दे रहे हैं। खमतराई थाने से मिली जानकारी के अनुसार ट्रक क्रमांक सीजी 04 एम 6933 के ट्रक चालक द्वारा नंदकुमार चतुर्वेदी आयु 40 वर्ष पिता नारायण चतुर्वेदी जो गोंदवारा से अपने घर की ओर साइकिल पर जा रहा था उस पर तेज रफ्तार ट्रक चलाकर टक्कर मारा जिसके चलते उसकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। उक्त मामले में थाने ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ आईपीसी की धारा 304 ए के तहत मामला कायम किया है।

शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर युवक की पिटाई

रायपुर। लाकडाउन के चलते इन दिनों शराब भट्ठी बंद होने पर शराब की तस्करी में इजाफा हुआ है। गुढ़ियारी थाने से मिली जानकारी के अनुसार सुष्मिता पाडी आयु 39 वर्ष पति राजेंद्र पाडी के पुत्र संदीप पाडी से निवासी अन्ना चौक गुढ़ियारी के आरोपियों राजा काडी एवं उसके साथियों द्वारा फ्री में शराब पीने के लिए पैसा मांगा गया। प्रार्थिया के पुत्र द्वारा शराब पीने के लिए पैसा नहीं देने पर आरोपियों ने उसका नुकीली लकड़ी से कूल्हे एवं जांघ में जोरदार चोट पहुंचाकर उसकी जमकर पिटाई की। उक्त घटनाक्रम पर प्रार्थिया की रिपोर्ट पर गुढ़ियारी थाने ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 327 के तहत मामला कायम किया है।

आप हमारे सैनिक, मुझे आप लोगों पर गर्व है : उइके

राज्यपाल ने एम्स के नर्सिंग स्टाफसे बात कर हौसला अफ्जाई की

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उइके ने बुधवार को भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के आयुष आईसोलेशन वार्ड में कार्यरत नर्सिंग कर्मचारियों से वीडियो कॉलिंग के माध्यम से बातचीत की और उनकी हौसला अफ्जाई की। इस वार्ड में कोरोना संक्रमित मरीजों को रखा गया है। राज्यपाल ने कहा - मुझे आप लोगों पर गर्व है। आप लोग जिस समर्पण और सेवाभावना से कोरोना संक्रमण से प्रभावित मरीजों की सेवा कर रही हैं, उसकी जितनी सराहना की जाए, वह कम है। आप हमारे सैनिक हैं, जिस तरह देश की सीमा की रक्षा सैनिक कर रहे हैं, इसी प्रकार आप सभी इस संकट से पूरे मानव समाज की रक्षा कर रहे हैं। आप लोगों के मेहनत के फ्लस्वरूप छत्तीसगढ़ में अब तक 13 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और छत्तीसगढ़ अन्य राज्यों की अपेक्षा बेहतर स्थिति में हैं। आप इसी तरह से कार्य करते रहिए, आप सभी को मेरी ओर से बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं।

राज्यपाल ने कहा कि आप मरीजों का ख्याल रखें साथ ही साथ अपना और अपने परिवार का ख्याल रखें। चिकित्साकर्मियों की मदद से जल्द ही देश सहित छत्तीसगढ़ को कोरोना से मुक्त कर देंगे। राज्यपाल से एम्स की सहायक नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती शांति टोप्पो और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी श्री बी. मुरली कृष्णा, श्री आशीष नागर, श्रीमती एशली माइकल, श्री चिधाम्बर कुलकर्णी ने बात की। उन्होंने राज्यपाल को धन्यवाद दिया और कहा कि आपसे बातचीत करके काफी अच्छा लगा और इससे हम सबमें नई ऊर्जा का संचार हुआ है। हम निश्चित ही कोरोना को हराकर रहेंगे और छत्तीसगढ़ को कोरोना से मुक्त करेंगे।

मंत्री डहरिया ने मसाला छाछ की गाड़ी को दिखाई हरी झण्डी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। नगरीय प्रशासन और श्रम मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने आज यहां अपने निवास कार्यालय से गरीबों और जरूरतमंदों के लिए 35 हजार मसाला छाछ के पैकेट से भरी गाड़ी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण की रोकथाम के लिए लॉकडाउन में उत्पन्न परिस्थितियों के कारण विभिन्न स्थानों, कारखाना क्षेत्रों में संकटग्रस्त श्रमिकों, गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए जिला प्रशासन की पहल पर डोनेशन ऑन व्हील्स के माध्यम से गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन, राशन, साग-सब्जी सहित अन्य आवश्यक सामग्री तात्कालिक व्यवस्था की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम रायपुर के सभापति प्रमोद दुबे के प्रयास से सुभम अग्रवाल एवं बाकर अब्बास द्वारा प्रदान 35 हजार पैकेट मसाला छाछ दान की गई है। नगर निगम क्षेत्र रायपुर के जरूरतमंदों को जिला प्रशासन के माध्यम से मसाला छाछ वितरित किया जाएगा।

राहत शिविरों में मेहमान बच्चों की शिक्षा की अभिनव पहल

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। कोरोना संक्रमण की वजह से देशव्यापी लॉकडाउन के चलते मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल और निर्देशन पर छत्तीसगढ़ राज्य में दूसरे राज्यों के प्रवासी श्रमिकों और जरूरतमंदों की मदद के लिए जगह-जगह पर राहत शिविर लगाए गए हैं। इन राहत शिविरों में देश के विभिन्न प्रांतों के श्रमिक सपरिवार ठहरे हुए है। श्रमिकों के साथ उनके बच्चे भी इन शिविरों में रह रहे हैं। श्री बघेल ने दूसरे राज्यों से छत्तीसगढ़ आए प्रवासी श्रमिकों को छत्तीसगढ़ का मेहमान कहा है और उनके रहने, खाने और चिकित्सा की व्यवस्था के निर्देश प्रशासन को दिए हैं। प्रवासी श्रमिकों के साथ-साथ उनके बच्चों की सुविधाओं का भी राहत शिविरों में ध्यान रखा जा रहा है। खाली समय में बच्चों के लिए इन राहत कैम्पों में खेल-कूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के साथ ही उनकी शिक्षा की अभिनव पहल छत्तीसगढ़ राज्य के सीमावर्ती जिले सरगुजा के बिशुनपुर सामुदायिक भवन स्थित राहत शिविर में देखने को मिली।

यहां जिला प्रशासन सरगुजा ने विधिवत मिनी शाला लगाकर 14 बच्चों के अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की है। यहां पर यह भी विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इन बच्चों को पढ़ाने और ड्राईंग-पेंटिंग सिखाने का कार्य जिला प्रशासन के सहयोग से शिविर में रह रहे युवा श्री सतेन्द्र ऋषि द्वारा किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि अंबिकापुर नगर के बिशुनपुर, प्रतीक्षा बस स्टैण्ड तथा सरगवां हॉस्टल में लगाए गए राहत कैम्पों में मध्यप्रदेश, झारखण्ड, उत्तरप्रदेश, बिहार, उड़ीसा के कुल 108 श्रमिक एवं अन्य लोग ठहरे हुए है। उनके साथ शिविरों में बच्चे भी रह रहे है। शिविरों में रह रहे श्रमिकों के लिए जिला प्रशासन द्वारा निःशुल्क नास्ता, भोजन एवं चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के साथ ही उनके बच्चों के समय का सदुपयोग एवं उनके शिक्षा के लिए मिनी शाला लगाकर अध्ययन-अध्यापन की सराहनीय व्यवस्था भी की गई है। मिनी शाला के संचालन में शिविर में रह रहे शिक्षित युवा भी बराबर के सहभागी बने हैं। बच्चों की पढ़ाई के लिए जिला प्रशासन द्वारा ब्लैक बोर्ड, चाक, पेंसिल, किताब तथा खेल सामग्री, बैट, बाल, फिसल पट्टी आदि की व्यवस्था की गई है। शिविरों में ठहरे लोगों के मनोरंजन के लिए टी.व्ही. एवं कैरम बोर्ड की व्यवस्था की गई है।

सीएम ने जलाशयों से शीघ्र पानी छोड़ने के दिए निर्देश

■ **गर्मियों के कारण गांवों के तालाबों में कम हो रहा है जल स्तर**

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गर्मियों में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों के तालाबों में निस्तार के लिए पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने के लिए जलाशयों से निस्तारी तालाबों को भरने के लिए पानी छोडऩे की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।

श्री बघेल ने इसके लिए जल संसाधन विभाग को निर्देशित करते हुए कहा है कि वर्तमान में दिन-प्रतिदिन तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, कई ग्रामीण क्षेत्रों में निस्तार के लिए तालाबों में पानी की कमी हो रही है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रामीण क्षेत्र में निस्तारी की समस्या को दूर करने के लिए जलाशयों से तालाबों में पानी छोड़ने की प्रक्रिया तत्काल प्रारंभ की जाए। मुख्यमंत्री ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया है कि जलप्रदाय के दौरान पानी का व्यर्थ अपव्यय न हो। उन्होंने लॉकडाउन के दौरान वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिग सहित सभी सावधानियों एवं सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए निस्तारी तालाबों को भरने के लिए आवश्यक प्रबंध करने को कहा है।

राहत की गाड़ी...

रायपुर । शिक्षा विभाग ने राशन सामग्री को हरी झंडी देकर रवाना किया गया।

कोरोना पॉजीटिव मां के बच्चों ने बिखेरी आइसोलेशन वार्ड में मुस्कान

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर में एडमिट कोरोना पॉजीटिव मां के दो बच्चे पूरी तरह से स्वस्थ हैं। ये दोनों एम्स के मेडिकल स्टॉफ की निरंतर निगरानी में हैं। इनमें से एक अपने परिजन के साथ है जबकि दूसरे बच्चे को एम्स के नर्सिंग स्टॉफ का दुलार मिल रहा है। इन दोनों बच्चों ने कोरोना के आइसोलेशन वार्ड को खिलखिलाने की एक वजह जरूर दे दी है।

22 माह की बच्ची अपने पिता के साथ एम्स में है तो तीन माह के बच्चे की नर्सिंग स्टॉफ देखभाल कर रहा है। यह सभी एम्स के स्टॉफके साथ काफी घुल-मिल गई हैं। पिछले दिनों इनकी मां के अलावा इन बच्चों के मामा भी पॉजीटिव पाए गए थे। इसके बाद नानी को देखरेख के लिए बुलाया गया तो वह भी कोरोना वायरस पॉजीटिव मिली थी। इन बच्चों का भी कोरोना टेस्ट किया गया है जो पहली बार नेगेटिव आया है। अभी इन दोनों को पांच दिन एम्स में ही रखकर दोबारा टेस्ट किया जाएगा। यदि बच्चे नेगेटिव आती हैं तो इन्हें परिजनों के सुपुर्द कर दिया जाएगा।

कोरोना वायरस के लिए पूल टेस्टिंग की तैयारी कर रहा एम्स

एम्स का माइक्रोबायलॉजी विभाग की वीआरडी लैब पूल टेस्टिंग की तैयारी कर रही है। निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि आईसीएमआर के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूल टेस्टिंग के लिए लैब को तैयार किया जा रहा है। पूल टेस्ट में मुख्य रूप से एक साथ पांच सैंपल टेस्ट किए जाते हैं। यदि सभी टेस्ट नेगेटिव आते हैं तो उन्हें नेगेटिव माना जाता है और यदि टेस्ट पॉजीटिव आता है तो सभी सैंपल को अलग-अलग टेस्ट किया जाता है। यह विधि दो प्रतिशत से कम कोरोना वायरस रोगियों वाले क्षेत्र में लागू की जा रही है। छत्तीसगढ़ में अभी काफी कम रोगी होने की वजह से जिन रोगियों में लक्षण नहीं दिख रहे हैं या फिर जो कोरोना वायरस के संदेहास्पद रोगी हैं उनका एक साथ सैंपल टेस्ट किया जा सकता है। निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि पूल टेस्टिंग होने से संदेहास्पद रोगियों का एक साथ कई सैंपल टेस्ट किए जा सकेंगे। इसके साथ ही टेस्टिंग की लागत को भी कम किया जा सकेगा। एम्स ने पूल टेस्ट के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। शीघ्र ही इन्हें शुरू किया जा सकता है।

कैंसर के रोगियों को भी दी जाएगी पूर्ण सुविधाएं

प्रो. नागरकर ने कहा है कि एम्स की इमरजेंसी और ट्रामा में सेवाएं सुचारू रूप से चल रही हैं। इसके साथ ही कैंसर के रोगियों को भी पूर्ण चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कैंसर के गंभीर रोगियों के लिए निरंतर चिकित्सा सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। उन्होंने कैंसर के गंभीर रोगियों को एम्स तक आने की अनुमति देने का भी अनुरोध राज्य प्रशासन से किया है।

सभी 20 कोरोना पॉजीटिव रोगियों की स्थिति स्थिर

एम्स में एडमिट कोरोना वायरस के सभी 20 पॉजीटिव रोगियों की स्थिति स्थिर बनी हुई है। निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि सभी रोगी एम्स के विशेषज्ञों की निरंतर निगरानी में हैं और उन्हें आईसीएमआर के प्रोटोकॉल के अनुसार दवाइयां प्रदान की जा रही हैं। निरंतर उनके सैंपल टेस्ट किए जा रहे हैं। दो लगातार टेस्ट नेगेटिव आने पर उन्हें डिस्चार्ज किया जाएगा। प्रो. नागरकर भी निरंतर वार्ड का दौरा कर रोगियों की हालत पर निगाह बनाए हुए हैं।

टीबी की ओपीडी में आ रहे बड़ी संख्या में रोगी

एम्स के टीबी और पल्मोनरी विभाग में बड़ी संख्या में रोगी अपना इलाज करवाने के लिए पहुंच रहे हैं। एक अप्रैल से 14 अप्रैल तक यहां 1176 रोगी अपना इलाज करवा चुके हैं। प्रो. नागरकर ने बताया कि कोरोना वायरस से मिलते जुलते लक्षणों से संबंधित कई अन्य बीमारियां फेफड़े जनित होती हैं। ऐसे में पल्मोनरी विभाग निरंतर रोगियों का परीक्षण कर उन्हें उपचार दे रहा है जिससे उनकी आशंकाओं को दूर किया जा सके।

क्वारेंटाइन से अपने घर पहुंचे चिकित्सक और नर्सिंग स्टॉफ

एम्स के चिकित्सकों और नर्सिंग स्टॉफ का क्वारेंटाइन पीरियड 14 अप्रैल को खत्म हो गया है। इसके बाद ये सभी अपने परिजनों के पास पहुंच गए हैं। अपने परिजनों से 21 दिन बाद मिलने पर इनकी खुशी का ठिकाना न रहा। किसी ने अपने परिजनों से लंबी बातें की तो किसी ने घर का बना खाना खाया।

पीएचक्यू में सीमित अधिकारियों-कर्मचारियों से चलाएं काम

■ **कोरोना संक्रमण रोकने के लिए बरती जा रही विशेष सावधानी**

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन के दूसरे चरण में शासन-प्रशासन ने कड़ाई बरतते हुए सीमित कर्मचारियों-अधिकारियों से काम चलाने पर जोर दिया है। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय में भी सीमित कर्मचारियों को ही बुलाने का निर्देश जारी किया गया है।

पुलिस महानिदेशक डीएम अवस्थी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि आगामी 3 मई तक पुलिस मुख्यालय उन्हीं कर्मचारियों को बुलाया जाए जिनकी बहुत आवश्यकता हो। शेष कर्मचारियों को यथासंभव जब तक आवश्यक नहीं हो पुलिस मुख्यालय न बुलाया जाए। 24 मार्च को लॉक डाउन के उपरांत जो व्यवस्था लागू की गई थी उसे 3 मई तक बढ़ाया जाता है। सभी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और इनसे वरिष्ठ अधिकारी महत्वपूर्ण कार्य अपने निज स्टाफके माध्यम से कार्य सम्पादित करें। आदेश में कहा गया है कि अधिकारी आवश्यक होने पर पुराना पुलिस मुख्यालय स्थित गुप्तवार्ता एवं एसआईबी बिल्डिंग का उपयोग शासकीय कार्य के लिए कर सकते हैं।

ज्ञात हो कि 24 मार्च 2020 को लॉकडाउन के उपरांत आदेशित व्यवस्था के तहत कोई भी पुलिस अधिकारी-कर्मचारी बिना डी.जी.पी. की अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ और ना ही घर से बाहर जाएंगे। सभी घर मे रहकर ही शासकीय कार्य का सम्पादन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर अधिकारी-कर्मचारी को कार्यालय में उपस्थित होने को निर्देशित किया जा सकता है। डी.जी.पी. ने इस अवधि में मोबाइल चालू रखने के निर्देश दिए हैं। जिन शाखाओं में उपस्थिति अनिवार्य हो वहां कम से कम लोगों की पालियों में ड्यूटी लगाने निर्देशित किया गया है। कार्यालय बुलाये जाने की स्थिति में भीड़-भाड़ से बचकर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग नहीं कर स्वयं के साधन से आने को कहा गया है। अवस्थी ने निर्देश दिए हैं कि कार्यालय आने वाले मास्क लगाकर और हाथों को सैनेटाइज कर ही कार्यालय में प्रवेश करें। सम्पूर्ण उपस्थिति अवधि में मास्क लगाए रखने और समय-समय पर हाथों को साबुन-हैंडवॉश-सेनेटाइजर से धोने के निर्देश दिए गए हैं।

संपादकीय

लॉकडाउन के दुश्मनो पर कार्यवाही हो

देश में कोरोना संक्रमण से ग्रसित लोगों की संख्या बढ़कर लगभग 12000 हो गई है वहीं लगभग 400 लोगों की मौत भी हो चुकी है। यही वजह है कि विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मांग पर केन्द्र सरकार ने 3 मई तक लॉकडाउन बढ़ा दिया है। इस बार में केन्द्र सरकार ने दिशा निर्देश भी जारी किए है। जिसका देशवासी पालन भी कर रहे है और लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन करने से बच रहे है। किन्तु देश में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो लॉकडाउन की धज्जियां उड़ाने से बाज नहीं आ रहे है। ऐसे अराजक तत्व सोशल मीडिया पर तरह तरह की अफ्वाहे उड़ाकर लोगों को बरगला रहे है। ऐसी अफ्वाहो के चलते ही पूर्व में नई दिल्ली से यूपी और बिहार के लोग पैदल ही अपने घरों के लिए निकल पड़े थो। लॉकडाउन जारी रखने के बावजूद हजारो की संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए थे। नतीजतन उत्तर प्रदेश और बिहार सरकार को इन प्रवासी मजदूरों के लिए अलग से व्यवस्था करनी पड़ी थी। बड़ी मुश्किल से ऐसी स्थिति पर काबू पाया गया था। अब एक बार फिर मुंबई में भी ऐसी ही स्थिति निर्मित हुई जब मुंबई में कमाने खाने आए हजारों मजदूर एक अफ्वाह का शिकार होकर मुंबई के एक रेलवे स्टेशन के पास एकत्रित हो गए। जबकि सभी ट्रेनें बंद है। जाहिर है इन लोगों को भी लॉकडाउन के दुश्मनों ने भड़काया था। इस घटना के पिछे किसी साजिश की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता गौरतलब है कि मुंबई के रेलवे स्टेशन के पास जो हजारो की भीड़ अपने घर जान के लिए एकत्रित हुई थी उनमें से किसी के पास कोई सामान नहीं था सभी पुरूष थे कोई महिला और बच्चे उनके साथ नहीं थे। ऐसे यह सवाल उठता है कि वे तथाकथित प्रवासी मजदूर अपने सामान और बीबी बच्चों को छोड़ कर कैसे घर जा रहे थे। जाहिर है उन लोगों को सुनियोजित षडयंत्र के तहत वहां इकट्ठा किया गया था। इस बाबत पुलिस ने कार्यवाही की है और अफ्वाह फैलाने के जुर्म में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है ऐसे और कई लॉकडाउन के दुश्मन है जो लोगों को भड़का रहे है और कोरोना के खिलाफ हमारी लड़ाई को कमजोर बना रहे है। ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ देश द्रोह का मुकदमा दर्ज किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जानी चाहिए। राज्य सरकारो को भी चाहिए कि वह हर बात के लिए केन्द्र सरकार को दोषी ठहराकर अपनी जिम्मेदारी से बचने की कोशिश न करें। जिस राज्य में भी प्रवासी मजदूर है उन्हे वहीं भोजन आश्रय और चिकित्या सहित अन्य बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराएं। कोरोना के खिलाफ सिर्फ केन्द्र सरकार को ही नहीं बल्कि राज्य सरकारों को भी लंबी लड़ाई लडऩी है इसके लिए समवेत प्रयास करने से ही हिन्दुस्तान कोरोना को हरा पाएगा।

विचार

मोदी के भाषण के दोनों पहलू

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना पर प्रधानमंत्री के संदेश से जो लोग यह आस लगाए बैठे थे कि वे तालाबंदी में ढील की घोषणा करेंगे, उन्हें निराशा जरुर हुई होगी लेकिन उन्हें संतोष भी हुआ होगा कि उन्होंने 20 अप्रैल से उसके शुरु होने का संकेत दिया है। कहां कितनी ढील दी जाएगी, यह उन्होंने स्थानीय प्रशासनों पर छोड़ दिया है। उन्होंने यह भी ठीक ही कहा है कि जैसे ही कहीं ढील के नतीजे उल्टे दिखे, वे सख्ती करेंगे। उम्मीद है कि 20 अप्रैल तक कोरोना का प्रकोप घटेगा तो ढील बढ़ेगी, जिसका फायदा लोगों को रोजमर्रा के जीवन में तो मिलेगा ही, अर्थ-व्यवस्था भी पटरी पर लौटने लगेगी। यह अच्छा हुआ कि उन्होंने ढील की घोषणा आज से ही नहीं कर दी। अगर वे कर देते तो भगदड़ मच जाती। पता नहीं, देश में क्या होता ! तालाबंदी की हड़बड़ी से उन्होंने यह सबक सीखकर खुद का और देश का भला किया। 3 मई भी शायद उन्होंने इसीलिए चुना है कि दो और तीन तारीख को शनिवार और रविवार है। कोई आश्चर्य नहीं कि तालाबंदी को जल्दी ही इतना ढीला कर दिया जाए कि स्थिति सामान्य-सी लगने लगे लेकिन यह तभी होगा जबकि तालाबंदी का प्रकोप जमाते-तबलीग के पहले-जैसा हो जाए। प्रधानमंत्री, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जमात की धींगामुश्ती को ज्यादा तूल नहीं दिया, यह उनकी परिपक्वता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी का प्रमाण है। कोरोना का एक जबर्दस्त फायदा यह भी हुआ है कि नरेंद्र मोदी में एक कार्यकर्ता की विनम्रता लौट आई है। उन्होंने लोगों को हुए कष्टों के लिए जिन शब्दों में खेद जताया है और उन्हें सात सत्कर्म करने के लिए प्रेरित किया है, वह उन्हें राजनेता के पद से ऊंचा उठाकर राष्ट्रनेता बनाता है। उन्होंने भाषण में विरोधी दलों की हमेशा की तरह टांग नहीं खींची, यह भी सिद्ध करता है कि वे सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। इस बीच उन्होंने सर्वदलीय बैठक बुलाई, सभी मुख्यमंत्रियों से बात की और सब निर्णय सर्वसम्मति से ले रहे हैं, यह सराहनीय है। कोरोना-विरोधी अभियान में जो सरकारी देरी हुई, उस पर उन्होंने जो लीपा-पोती की, उससे सहमत होना कठिन है लेकिन उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार को अब कोरोना के विरुद्ध एकजुट किया है, वह अन्य पड़ौसी राष्ट्रों के लिए भी प्रेरक है। मुझे खुशी है कि मोदी ने आयुष मंत्रालय के घरेलू नुस्खों का जिक्र भी किया। इन पर उन्होंने जोर क्यों नहीं दिया ? कोरोना संबंधी अंग्रेजी शब्दों के हिंदी पर्याय मैं कई बार बता चुका हूं लेकिन फिर भी मोदी नौकरशाहों की नकल पर डटे हुए हैं।

मौलिक संवैधानिक कर्तव्यों को याद करने का समय

रविशंकर प्रसाद

हमें यह जानकर अत्यंत प्रसन्नेता हो रही है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और कुछ राज्य सरकारों की कई पहलों की सराहना विश्व स्तर पर हो रही है। मैं गंभीरतापूर्वक यह कहना चाहता हूं कि आज हर भारतीय को स्वमयं से केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि देश आपको क्या दे सकता है, बल्कि यह भी प्रतिबिंबित करना चाहिए कि आप देश को क्या दे सकते हैं। यहां तक कि वर्ष 2012 में एक फैसले में माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने रामलीला मैदान की घटना से जुड़े एक मामले में यह स्पष्ट रूप से कहा है कि जहां एक ओर अधिकार और पाबंदी के बीच, वहीं दूसरी ओर अधिकार और कर्तव्य के बीच भी संतुलन एवं समानता होनी चाहिए। यदि कर्तव्य के विशेष महत्व पर विचार किए बिना ही नागरिक के अधिकार पर अनुचित या अपेक्षा से अधिक विशेष जोर दिया जाएगा, तो इससे असंतुलन की स्थिति बनेगी। अधिकार का सही स्रोत कर्तव्य है। मुझे यकीन है कि इन चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के दौरान हर भारतीय इसे याद रखेगा। निश्चित रूप से, हम विजयी बन कर उभरेंगे।

भारत इस समय संकट के बेहद गंभीर दौर से गुजर रहा है। कोरोना वायरस एक खौफ्नाक महामारी का रूप ले चुका है जिससे बड़ी संख्यो में लोगों की जान खतरे में पड़ गई है और देश भर में लॉकडाउन लागू किया जा चुका है। इसने लगभग पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है और अब तक इसका कोई रामवाण इलाज नहीं मिला है। यह बड़ी चुनौती, व्यईथा और गंभीर चिंता का समय है। चाहे अमीर हो या गरीब, चाहे कोई भी जाति हो या धर्म, इस संकट ने पूरी मानवता को प्रभावित किया है। हालांकि, कोई भी चुनौती निश्चित तौर पर एक अवसर भी प्रस्तुत करती है। हो सकता है कि नए सिरे से दृढ़संकल्प लेने और अभिनव तरीके ढूंढ़ने पर ही इस संकट से निपटना संभव हो। 14 अप्रैल को महान भारतीय बाबा भीमराव अंबेडकर की जयंती है, जो हमारे संविधान के निर्माता होने के साथ-साथ एक समाज सुधारक भी थे। उन्होंने हमारे संविधान को एक ऐसे सामाजिक दस्तावेज के रूप में वर्णित किया, जिसमें अधिकार और दायित्व के साथ-साथ सशक्तिकरण एवं समावेश भी समान रूप से अत्यंदत महत्वपूर्ण मूल्य हैं और जिन्हें स्वतंत्र भारत की सतत प्रगति के लिए अवश्य ही ध्यान में रखा जाना चाहिए।

यह भारत की अनूठी परंपरा रही है कि जब भी किसी चुनौती का सामना करना होता है, तो हमारे देश और देशवासियों की अंतर्निहित शक्ति बड़ी तेजी से बढ़ जाती है। हम सभी को यह याद है कि साठ के दशक में जब खाद्यान्न संकट गहरा गया था, तब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री ने देशवासियों से हर दिन एक वक्तन का भोजन छोड़ देने की अपील की थी और पूरे देश ने इस जीवट कार्य में उनका पूरा साथ दिया था। युद्ध के समय, यहां तक कि राष्ट्रीय संकट के दौरान भी प्रतिबद्धता और एकजुटता सर्वविदित एवं बिल्कुल स्वाभाविक है। इसके साथ ही एक और खास बात यह है कि भारत की जनता सदैव समय की कसौटी पर खरी उतरी है, बशर्ते कि देश का नेतृत्व प्रेरणादायक हो।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, जैसा कि हम सभी जानते हैं, एक अत्यंजत लोकप्रिय निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें भारत की जनता ने अपने प्रीय नेता के रूप में चुना है। वह समय-समय पर भारत की जनता से अपील करते रहे हैं और हर बार हमारे देशवासियों ने उनका पूरा साथ दिया है। जब उन्होंने गरीब महिलाओं को उज्जवला योजना के तहत रसोई गैस कनेक्शन देने के लिए समर्थ लोगों से अपनी रसोई गैस सब्सिडी स्वेच्छा से छोड़ने की अपील की, तो करोड़ों लोगों ने उनका साथ दिया। जब उन्होंने 'स्वच्छ भारत कार्यक्रम' शुरू किया, तो उन्होंने भारत के लोगों से ग्रामीण क्षेत्रों में शौचालयों के निर्माण में स्वेच्छा से भाग लेने की अपील की। यह उनकी अपील का ही कमाल है कि पिछले साढ़े पांच वर्षों में इसने एक व्यापक जन आंदोलन का रूप ले लिया है जिसके परिणामस्वंरूप गांवों में अब तक की सर्वाधिक संख्या में शौचालयों का निर्माण सुनिश्चित हो पाया है और इसके साथ ही कई ग्राम पंचायतें खुले में शौच मुक्त हो गई हैं। उन्हों ने सत्याग्रही से स्वच्छाग्रही बनने का प्रेरक आह्वान किया और भारत की जनता ने स्वेच्छा से स्वच्छ भारत को एक राष्ट्रीय मिशन के रूप में स्वीकार कर लिया क्योंकि उन्हें यह प्रतीत हुआ कि ऐसा करना तो उनका कर्तव्य है।

कोरोना महामारी के मौजूदा संकट काल में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से 'जनता कर्फ्यू' के लिए अपील की। यही नहीं, प्रधानमंत्री ने देश की जनता से सभी डॉक्टरों एवं सहायक स्वास्थ्यकर्मियों के साथ-साथ उन अन्य लोगों के लिए भी सार्वजनिक रूप से ताली बजाने की अपील की, जिन्होंने कोविड से पीड़ित अनगिनत मरीजों की सेवा के लिए खुद की जान भारी जोखिम में डाल दी है। प्रधानमंत्री ने पहली बार में ही पूरे देश में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा करने का अभूतपूर्व कदम उठाया और भारत की जनता ने दिल से यह मान लिया कि इस संक्रामक वायरस को फैलने से रोकने के लिए उनके आह्वान पर ध्यान देते हुए अपने-अपने घरों तक सीमित रहना और सामाजिक दूरी बनाए रखना उनके कर्तव्य का हिस्सा है। उनके एक आह्वान पर इस चुनौतीपूर्ण समय में पूरे देश की जनता ने एकजुटता और उत्साह को दर्शाने के लिए अपने-अपने यहां दीप या दीया जलाया। अधिकार और कर्तव्य हमारी संवैधानिक व्यवस्था के अभिन्न अंग हैं। यह अलग बात है कि मौलिक कर्तव्य बहुत बाद में संविधान में शामिल किए गए थे। कर्तव्य के साथ-साथ दायित्व का भी विचार हमारे संविधान की मूल विशेषता रही है। उदाहरण के लिए, अनुच्छेद 19 के तहत अभिव्यक्ति, शांतिपूर्वक इकट्ठा होने, आवागमन, निवास, इत्यौदि की स्वतंत्रता का मौलिक अधिकार है। लेकिन इसी अनुच्छेद के अंतर्गत अनुच्छेद 19(2) में कर्तव्य का भी प्रावधान किया गया है, जिसका पालन ऐसे तरीके से किया जाना चाहिए जिससे भारत की एकता और अखंडता, देश की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता इत्यादि पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ता हो। यदि इसका उपयोग अपेक्षित रूप से नहीं किया जाता है, तो तर्कसंगत पाबंदियां लगाई जा सकती हैं। अनुच्छेद 17 किसी भी रूप में अस्पृश्यता को समाप्त करता है और ऐसा करने की मनाही है। इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि ऐसा न करना हर भारतीय का कर्तव्य है। संविधान के अनुच्छेद 39 के तहत राज्यों को ऐसी नीति बनाने का दायित्व दिया गया है जिसके तहत भौतिक संसाधनों का इस तरह से सर्वश्रेष्ठक वितरण हो जिससे कि सभी का भला हो। सर्वहित की पूर्ति की दिशा में प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य भी संवैधानिक दायित्व बन गया है। अनुच्छेद 49 के तहत सरकार को हर स्मारक या कलात्मक महत्व अथवा ऐतिहासिक महत्व वाले ऐसे प्रत्येक स्थल की नुकसान, विनाश और विरूपण से रक्षा करने का दायित्व सौंपा गया है, जिसे राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में घोषित किया गया है। निश्चित रूप से, इस अनुच्छेद में बताया गया है कि इन ऐतिहासिक स्मारकों को सुव्यवस्थित बनाए रखना और उनकी रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है।

अनुच्छेद 51ए, जिसे बाद में जोड़ा गया, में मौलिक कर्तव्यों पर विशेष अध्याय शामिल है। इसकी कई महत्वपूर्ण बातों में राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्र गान का सम्मान करना, भारत की संप्रभुता, एकता एवं अखंडता को बनाए रखना और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा करना तथा बेहतर बनाना, इत्यादि शामिल हैं। मेरे विचार में, एक महत्वपूर्ण कर्तव्य 55ए(जे) है, जो यह बताता है कि 'प्रत्येक नागरिक को व्यक्तिगत और सामूहिक कार्यकलापों के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए प्रयास करने चाहिए, ताकि राष्ट्र सतत रूप से उत्कृष्टता और उपलब्धि के उच्च स्तरों पर पहुंच सके। हम इन कर्तव्यों को कैसे पूरा कर सकते हैं? यदि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में इस बड़ी चुनौती के दौरान हमारी सामूहिक इच्छा शक्ति और हमारे कर्तव्य पालन से हमारा देश सफल होता है, तो हम अपने राष्ट्र को उपलब्धि की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने में मदद करने के अपने सामूहिक दायित्व को पूरा करेंगे।

कोरोना से बचाव का सूत्र है सोशल डिस्टेंसिंग

डॉ. श्रीनाथ सहाय

कोरोना लाईलाज नहीं है ये बात साफहो चुकी है। भारत के पास उसकी दवाइयों का भी पर्याप्त स्टॉक है। यहाँ तक कि दुनिया के विकसित देश तक हमसे दवाइयां मंगवा रहे हैं। अब जबकि देश कोरोना से निपटने के लिए हर तरह से सक्षम है तब आने वाले 20 दिन और संयम तथा अनुशासन का परिचय दे दिया जाए तो हो सकता है मई का दूसरा हफ्ता आते तक देश को विजय पताका फहरा देने का गौरव हासिल हो। लेकिन इस दौरान जरा सी गफलत भी महंगी पड़ सकती है।कोरोना वायरस सारी दुनिया के लिए एकदम नया है। ये कहां से आया है? कैसे रुकेगा? इसका इलाज क्या है? अभी किसी को कुछ नहीं पता। लेकिन एक बात सौ फीसदी सही साबित हो गई है कि इसे सोशल डिस्टेंसिंग से रोका जा सकता है। जिन देशों ने भी इस पर काबू पाया, वहां यही हथियार अपनाया गया है। भारत में भी सोशल डिस्टेंसिंग करने को कहा जा रहा है। और इसीलिए सरकार को लॉकडाउन करना पड़ा।

कोरोना वायरस की महामारी से बचाव के लिए एक मात्र कारगर उपाय सोशल डिस्टेंसिंग है। इसको शत प्रशित पालन कराने के लिए सरकार अपने स्तर पर सारे प्रयास कर रही है। इसी के लिए सरकार ने लॉक डाउन की घोषणा की थी। पहले चरण में 21 दिन के बाद अब दूसरी बार 19 दिन का लॉक डाउन सरकार ने घोषित कर दिया है। हां, दूसरे चरण के लॉक डाउन में थोड़ी रियायतें भी देने के लिए सरकार ने विस्तृत गाइड लाइन भी जारी की है। लॉक डाउन की अवधि बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश को संबोधित किया। अपने संबोधन में श्री मोदी ने कोरोना के विरुद्ध जंग में भारत के प्रयासों को सफल बताते हुए ये दावा किया कि यदि समय पर कदम न उठए होते तो स्थिति भयावह हो सकती थी किन्तु इसी के साथ चेताया भी कि जरा सी असावधानी से कोरोना का प्रकोप विस्फोटक हो सकता है। कोविड-19 भी स्पेनिश फ्लू के वायरस जैसा नहीं है। वैज्ञानिकों के लिए भी ये वायरस रिसर्च का विषय है। फिलहाल इस पर काबू पाने का एकमात्र उपाय है-सोशल डिस्टेंसिंग। इसके माध्यम से ही कोविड-19 की इन्फेक्शन चेन तोड़ी जा सकती है।

लॉक डाउन के दूसरे चरण से जुड़ी व्यवस्थाओं तथा 20 तारीख के बाद कोरोना से कम प्रभावित इलाकों के लिए मिलने वाली छूट के बारे में जानकारी कल दिए जाने की बात कहते हुए उनने ये आश्वस्त किया कि जरुरी चीजों का पर्याप्त भण्डार होने के साथ लगभग 1 लाख बिस्तरों की व्यवस्था के साथ हजारों अस्पतालों को केवल कोरोना के लिए आरक्षित कर दिया गया है। लॉक डाउन की अवधि बढाये जाने का सैद्धांतिक रूप में कोई विरोध नहीं करेगा। अधिकतर मुख्यमंत्रियों द्वारा पहले ही इसके बारे में सहमति दी जा चुकी थी। लगभग सभी देश लोगों को घरों में रहने, लॉकडाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की सलाह दे रहे हैं। इसका मकसद सिर्फ और सिर्फ लोगों को संक्रमित लोगों के संपर्क में आने से रोकना है। सेल्फ आइसोलेशन और क्वारंटीन सोशल डिस्टेंसिंग के ही अलग-अलग रूप हैं। हॉर्वर्ड के वैज्ञानिकों ने चेताया है कि एक बार के लॉकडाउन से कोरोना वायरस की महामारी को पूरी तरह से नहीं रोका जा सकता। इस खतरनाक वायरस से निपटने और हॉस्पिटलों को ओवरलोड होने से बचाने के लिए दुनिया को 2022 तक सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। गौरतलब है कि हॉर्वर्ड की यह स्टडी उस समय आई है, जब अमेरिका में कोरोना के मामले उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं और वहां सख्त लॉकडाउन के उपायों पर नरमी अख्तियार करने के बारे में विचार किया जा रहा है। साइंस जर्नल में प्रकाशित एक पेपर में हार्वर्ड टीम के कंप्यूटर सिमुलेशन ने माना है कि कोविड-19 मौसमी हो जाएगा। यह ठीक वैसे ही होगा जैसे सर्दियों के मौसम में लोगों को वायरल होता है।

लेकिन अभी इस वायरस के बारे में बहुत सारी चीजें रहस्यमयी हैं, जिसमें पिछले संक्रमण के बाद इम्यूनिटी लेवल और यह इसके शरीर में मौजूद रहने का समय शामिल है। स्टडी के प्रमुख लेखक स्टीफन किस्लर पत्रकारों से कहा कि हमने पाया है कि सामाजिक दूरी बनाए रखना एक उपाय है उन्होंने कहा, वायरस के अन्य उपचारों की गैरमौजूदगी में जो बात आवश्यक है, वह सोशल डिस्टेंसिंग ही है।

स्टडी के एक अन्य लेखक मार्क लिप्सच ने कहा, एक साथ ज्यादा लोगों की मौजूदगी के दौरान वायरस के फैलने की आशंका ज्यादा है। लेखकों ने कहा कि इस वायरस का मुकाबला करने के लिए टेस्टिंग की भी जरूरत है। उपचार और टीके उपलब्धता के बाद लॉकडाउन की अवधि और सख्ती को कम किया जा सकता है लेकिन ऐसा जब तक नहीं होता तब तक सोशल डिस्टेंसिंग अस्पतालों को उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए समय देगा। लिप्सच के मुताबिक, एक साथ ज्यादा लोगों की मौजूदगी के दौरान वायरस के फैलने की आशंका ज्यादा है। लेखकों ने कहा कि इस वायरस का मुकाबला करने के लिए टेस्टिंग की भी जरूरत है. उपचार और टीके उपलब्धता के बाद लॉकडाउन की अवधि और सख्ती को कम किया जा सकता है लेकिन ऐसा जब तक नहीं होता तब तक सोशल डिस्टेंसिंग अस्पतालों को उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए समय देगा। यदि देश में कोरोना के मामले तेजी से नहीं बढ़ेहोते तब भी लॉक डाउन बढ़ाना ही पड़ता क्योंकि चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग ठीक हो गए उन्हें भी कम से कम दो सप्ताह सावधानी बरतनी होगी। जो लोग हाल ही में क्वारेंटाईन किये गये उनके बारे में अंतिम रिपोर्ट आना अभी बाकी है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

हमने ख्वाबों से

हमने ख्वाबों से चुराया आपको मुस्कुराये जब से पाया आपको नूर चेहरे पर फरिश्तों सा दिखे रब ने फुर्सत से बनाया आपको खूबसूरत आपसा कोई कहाँ सज संवरना कब ये भाया आपको प्यार चाहत सादगी सबको मिला फिर मुहब्बत से सजाया आपको खुश नशीबी हम न समझें और क्या जो लकी पर प्यार आया आपको।

– लक्ष्मी माहौर

ख़ौफ का हर सिम्त

ख़ौफ़ का हर सिम्त मंज़र और सब कुछ ठीक है । लॉक डॉउन में यहाँ पर और सब कुछ ठीक है । बाँटते हैं दो निवाले लोग सेल्फी खींच कर , शर्म से झुक जाता है सर और सब कुछ ठीक है।

– राजेश श्रीवास्तव 'प्रखर'

ख़ास पाती

बहुत दूर जा के फिर तेरे ही

बहुत दूर जा के फिर, तेरे ही करीब आने लगी थी, नब्ज जम सी गयी थी,उनमें गरमाहट आने लगी थी, कली फूल बन अरमानों की, फिर इठलाने लगी थी, शाम तेरी यादों की महक से,फिर गुनगुनाने लगी थी, रात तेरे ख्वाबों के बिछौने, फिर सजाने लगी थी, अच्छा हुआ जो निभाई, तुमने परायेपन की हर रस्में, कुछ पल और ठहर जाते, जो यूँ ही अपना बना के, ज़िन्दगी फिसलती हुई,हाथों से फिर मिरी जाने लगी थी! – किरण मिश्रा

जो आपदा की चाल होती है

जो आपदा की चाल होती है मुस्कुराहट की पोल खोलती है। जीवन बचाएं या तो आजीविका बिन रुपया गाड़ी कहां डोलती है । दौर है मुश्किल घड़ी व कहर का जमाना भी अब बंदिशों में होती है। हीरो हैं ,डॉक्टर,पुलिस, समाजसेवी मानवता की सेवा, उनकी बोलती है। फासले दूरियों का भले ही आजमा एहसास दिलों में, रंग भी घोलती है । फैली महामारी ये किस गति से अब नफरत तो कोरोना से तेज ख़ौलती है।

– सुरेश वैष्णव

आंखों में तू नीर छुपाता जा

आँखों में तू नीर छुपाता जा रे मनवा अपनी पीर छुपाता जा रे पौ फूटे पर सुबह न होती सांझ तलक मन ही मन रोती विरह की होती रात बड़ी है रो रो अँखियाँ रैन भिगोती सूरज तारे चाँद बुझाता जा रे मनवा अपनी पीर छुपाता जा रे..!! प्रीत की रीत समझ नहीं आई सांस-सांस क्यों लगे पराई रोम-रोम है प्रेम में भीगा क्यों तुमपर इक छींट न आई प्रश्नों का कोई हल बतलाता जा रे मनवा अपनी पीर छुपाता जा रे....!!

– नीरू श्रीवास्तव

सूरज अभी आया ज़मीन पर

सूरज अभी आया ज़मीन पर माँगने पानी चाँद चिंतित चाँदनी है गायब जुगनू ढूँढे ये तितलियाँ डरती हैं फूलों की छेड़खानी से दिखाता मुझे है घड़ियाली आँसू अब आँखों में मुझे पीने दो तुम इन आँखों से नशा होने दो आओ बाहों में तन्हाई है खलती जी लें दो पल इल्ज़ाम न दो मुश्किल अभी पल मुहब्बत है धरती को ही लहूलुहान किये चीरके सीना।

- 'ऐनुल' बरौलवी

गहरी चुप्पियों को तोड़ती दरवाजे

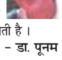

गहरी चुप्पियों को तोड़ती दरवाजे की सांकल, जब-जब बजती है, किसी के होने की मौजूदगी जता जाती है । खुले दरवाजे से आती है सिर्फशोर करती हवाएं । बदन से लिपट कर ये हवाएं , कम कर देती है, अकेलेपन के दंश को ! और सदा करीब होने का , सुखद अहसास करा जाती है ।

- डा. पूनम

मरीचिकाएं व्यर्थ की यात्राओं और थकान

मरीचिकाएं व्यर्थ की यात्राओं और थकान को जन्म देती है और अविवेक से जन्मी कामनाएं और आशाए, तुम्हारी आत्मा को परिश्रम देती है यदि तुम अंतिम शेष संभावना और मिथ्या सांत्वना के मोह से भी पारगमन कर जाते हो तो तुम शाश्वत स्वतंत्रता का स्वाद चख सकते हो। - कुलदीप वर्मा

तुम्हारी याद आएगी, फसाने याद आएंगे

तुम्हारी याद आएगी, फ़साने याद आएंगे। हमें हर एक लमहे में, जमाने याद आएंगे। पलक की ओट में तेरे मिली थी छाँव जो हमको। गली दिल की, वो बाहों के ठिकाने याद आएंगे।।

- आशा पाण्डेय ओझा

QUIZ TIME

1) 'सिद्धांत शिरोमणि' नामक ज्योतिष ग्रंथ किसके द्वारा रचित है?
(क) आर्यभट (ख) ब्रह्मगुप्त (ग) भास्काराचार्य (घ) वराहमिहिर

2) किस धार्मिक ग्रंथ में गुरू नानकदेव एवं अन्य सिख गुरूओं और कबीर, नामदेव, धना, फरीद, भीखन, वेणो, सूरदास आदि संतों की वाणी है? (गुरू ग्रंथ साहिब / दशरूपकम्)

3) मौनी अमावस्या किस माह में होती है?

4) ब्रह्माजी को 'चतुरानन' क्यों कहा जाता है?

5) साहित्यकार और समाज सुधारक का नाम बताए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) भास्काराचार्य (2) गुरू ग्रंथ साहिब (3) माघ (4) उनके चार नेत्र थे (5) कंदुकूरि वीरेशलिंगम्

आज का इतिहास

नई दिल्ली। 1853 - भारतीय रेलवे का शुभारंभ, पहली ट्रेन बम्बई के विक्टोरिया टर्मिनस स्टेशन और ठाणे के बीच चली। 1889 - दुनिया को हंसाने वाले चार्ली चैपलिन का जन्म। 1919 - जलियांवाला बाग हत्याकांड में मरने वालों को श्रद्धांजलि देने के लिए गांधी जी ने उपवास की घोषणा की। 1922 - इटली में रूस और जर्मनी के बीच एक संधि पर हस्ताक्षर किए गए। 1945 - द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सेना जर्मनी के नुरेम्बर्ग इलाके में घुसी। 1970 - यूरोपीय देश फ्रांस में बर्फीले तूफान से 70 लोगों की मौत। 1980 - अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया। 1992 - अफगानिस्तान के राष्ट्रपति नजीबुल्लाह ने इस्तीफा दिया। 2004 - भारत ने रावलपिंडी टेस्ट जीतकर सीरीज में पाकिस्तान को 2-1 से मात दी।

कोरोना वायरसः विश्व के निशाने पर आया डब्लूएचओ, अमेरिका ने रोकी फंडिंग

- ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की फंडिंग रोकी, पीएम मोदी ने सबसे पहले दी थी सलाह
- विश्व स्वास्थ्य संगठन के कामकाज पर कई बार निशाना साध चुके हैं राष्ट्रपति ट्रंप
- कोरोना मुद्दे पर यूएन कांउसिल में भी चीन को किया गया अलग-थलग

न्यूयार्क/नई दिल्ली। कोरोना संकट के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की साख पर भी गंभीर सवाल उठने लगे हैं। विश्व के ताकतवर देशों के निशाने पर यह संगठन लगातार आ रहा है और आरोप लगा रहा है कि इनकी ओर से कोरोना के भयावह प्रकोप से बचने के लिए न तो समय पर चेतावनी जारी की गयी न इसके लिए जरूरी कदम उठाए गए। इस साल के शुरू में हुए कोरोना कहर को दूसरे विश्वयुद्ध के बाद सबसे बड़ा ग्लोबल संकट माना जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वायरस संकट पर गैर जिम्मेदार तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन को दी जाने वाली आर्थिक सहायता पर रोक लगाने का ऐलान कर दिया। ट्रंप ने कहा कि जब तक कोरोना वायरस के प्रसार को कम करने को लेकर

तैयारी में गंभीर चूक जानकारी को छुपाने में डब्ल्यूएचओ की भूमिका की समीक्षा नहीं हो जाती, तब तक यह रोक जारी रहेगी। अमेरिका हर साल डब्लूएचओ को 40 से 50 करोड़ डॉलर देता तो इस संगठन को किसी देश की ओर से दी जाने वाली सबसे बड़ी राशि है। चीन 4 करोड़ डॉलर के करीब देता है।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने सबसे पहले विश्व की सबसे ताकतवर देशों के प्लेटफार्म पर डब्लूएचओ की प्रासंगिकता पर सवाल उठाया था। उन्होंने 26 मार्च को जी-20 देशों की मीटिंग में संगठन के कामकाज पर अपरोक्ष रूप से सवाल उठाया था। मीटिंग में पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन जैसी संस्थाओ में बड़ा बदलाव और सुधार हो जो अभी तक पिछली शताब्दी के बदलाव पर काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने अपरोक्ष रूप से

यूएन काउंसिल तक उठा मुद्दा

वहीं कोरोना संकट के बीच ग्लोबल राजनीति यूएन की सुरक्षा काउंसिल तक पहुंच गयी। चीन के प्रबल प्रतिरोध के बाद इस मुद्दे पर वहां ताकतवर देशों से इस मुद्दे पर चर्चा की। इसके बाद इस मसले पर ग्लोबल राजनीति और तेज हो गयी है। जानकारों के अनुसार चीन पहली बार कोरोना संकट के बीच अपने मित्र देशों के बीच विश्वास पाने में सफल नहीं हो रहा है।

कोरोनाः यूपी पुलिस ने दी 'बड़ी रकम', सीएम योगी को सौंपा चेक

लखनऊ। भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 11,400 के पार जा चुकी है। उत्तर प्रदेश में इस वायरस की चपेट में 650 से ज्यादा लोग आ चुके हैं। इस जंग से लड़ने में देश का हर वर्ग अपना-अपना योगदान दे रहा है। बच्चे अपनी गुल्लक तोड़कर उसके सारे नोट-सिक्के दान कर रहे हैं। बुजुर्ग अपनी जिंदगी के एक हिस्से की पूरी कमाई को देश सेवा में सौंप रहे हैं। उधर, यूपी डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने बुधवार को

उत्तर प्रदेश के पुलिसकर्मियों की तरफ से 20 करोड़ रुपये की धनराशि का चेक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दिया। एक ओर जहां दुनियाभर में कोरोना अपना प्रकोप दिखा रहा है, वहीं उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने इस महामारी पर काफी नियंत्रण कर रखा है। आंकड़ों के मुताबिक, विकसित देश कहा जाने वाला ब्रिटेन भी जिस महामारी के सामने हाथ बांधे खड़ा रहा, वहीं उसी के बराबर क्षेत्रफल और उससे कई गुना अधिक जनसंख्या वाला उत्तर प्रदेश कोरोना से आंख मिलाकर खड़ा हो गया। ब्रिटेन में जहां कोरोना पॉजिटिव केसों के साथ मरीजों की मौत की संख्या भी बढ़ती जा रही है।

कोरोना से दुनिया में सवा लाख मौत, 19.75 लाख संक्रमित

बीजिंग/ जेनेवा/ नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का प्रकोप थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब विश्व के अधिकतर देशों में फैल चुके इसके संक्रमण के कारण मरने वालों का आंकड़ा सवा लाख से अधिक 125691 हो गया है तथा अब तक 1975970 लोग इससे संक्रमित हुए हैं। विश्वभर में अब तक 4.73 लाख लोग इस वायरस से ठीक भी हुए हैं। भारत में भी कोरोना का संक्रमण तेजी से फैल रहा है और स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक देश के 32 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अब तक 11439 लोग इससे संक्रमित हुए हैं तथा 377 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं अब तक 1306 लोग इसके संक्रमण से पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं। जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी की ओर से जारी किए गए ताजा आंकड़ों के मुताबिक अमेरिका में कोरोना वायरस से दुनिया में सर्वाधिक लोग संक्रमित हुए हैं तथा सबसे अधिक मौतें हुई हैं। विश्व की महाशक्ति माने-जाने वाले अमेरिका में यह महामारी विकराल रूप ले चुकी है। यहां पर अब तक 608458 लोग इससे संक्रमित हुए हैं जबकि 25992 लोगों की मौत हो चुकी है। अमेरिका में इस बीमारी से अब तक 47763 लोग ठीक हो चुके हैं। अमेरिका के बाद सबसे गंभीर रूप से प्रभावित यूरोपीय देश इटली में इस महामारी के कारण अब तक 21067 लोगों की मौत हुई है।

केरल एफसी की कोच प्रिया हेल्पलाइन से जुड़ी

नई दिल्ली (वार्ता)। हीरो इंडियन महिला लीग (आईडब्ल्यू) की विजेता टीम गोकुलम केरल एफसी की कोच प्रिया पीवी कोरोना वायरस से लड़ने के लिए अन्य एथलीटों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर हेल्पलाइन सेंटर से जुड़ गयी हैं। प्रिया केरल के कन्नूर जिले में कोरोना वायरस के कारण लागू हुए लॉकडाउन के दौरान जरुरतमंदों को दवाईयां और खाना मिलने के लक्ष्य से हेल्पलाइन सेंटर से जुड़ी हैं। प्रिया के साथ जमशेदपुर एफसी के खिलाड़ी सीके विनीत भी इस हेल्पलाइन से जुड़े हैं। इस हेल्पलाइन सेंटर में काम करने वालों के लिए जरुरतमंदों तक जरुरी दवाईयां पहुंचाना सबसे चुनौती का काम है।

गरीबों को 'कोरोना वायरस' के खिलाफ लड़ाई लड़ने में काफी मदद की उम्मीद

गरीबों के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' के तहत राहत पैकेज की घोषणा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 'कोरोना वायरस' के खिलाफ लड़ाई लड़ने में मदद करने के उद्देश्यद से आज गरीबों के लिए 'प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना' के तहत 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की। आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए श्रीमती सीतारमण ने कहा, 'आज किए गए विभिन्न उपायों का उद्देश्य निर्धनतम लोगों के हाथों में भोजन एवं पैसा देकर उनकी भरसक मदद करना है, ताकि उन्हेंग आवश्यक आपूर्ति या वस्तुवओं को खरीदने और अपनी अनिवार्य जरूरतों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े।'

वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य राज्य मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर के अलावा आर्थिक कार्य विभाग में सचिव श्री अतानु चक्रबर्ती और वित्तीय सेवा विभाग में सचिव श्री देबाशीष पांडा भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज में निम्नलिखित उपाय

शामिल हैंः –

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना

भारत सरकार अगले तीन महीनों के दौरान इस विपत्ति की वजह से खाद्यान्नों की अनुपलब्धता के कारण किसी को भी, विशेषकर किसी भी गरीब परिवार को कष्टम नहीं होने देगी। 80 करोड़ व्यक्तियों, अर्थात, भारत की लगभग दो-तिहाई आबादी को इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। इनमें से प्रत्येक व्यगक्ति को अगले तीन महीनों के दौरान मौजूदा निर्धारित अनाज के मुकाबले दोगुना अन्ने दिया जाएगा। यह अतिरिक्त अनाज मुफ्त में मिलेगा।

दालेंः उपर्युक्त सभी व्यक्तियों को प्रोटीन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, अगले तीन महीनों के दौरान क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के अनुसार प्रत्ये्क परिवार को 1 किलो दालें दी जाएंगी। ये दालें भारत सरकार द्वारा मुफ्त में दी जाएंगी।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत किसानों को लाभः

2020-21 में देय 2,000 रुपये की पहली किस्त अप्रैल 2020 में ही 'पीएम किसान योजना' के तहत खाते में डाल दी जाएंगी। इसमें 7 करोड़ किसानों को कवर किया जाएगा। कुल 40 करोड़ पीएमजेडीवाई महिला खाताधारकों को अगले तीन महीनों के दौरान प्रति माह 500 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

गैस सिलेंडरः पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत अगले तीन महीनों में 8 करोड़ गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर मुफ्त में दिए जाएंगे।

जिला खनिज कोषः राज्य सरकार से जिला खनिज कोष (डीएमएफ) के तहत उपलब्ध धनराशि का उपयोग करने को कहा जाएगा, ताकि कोविड-19 महामारी को फैलने से रोकने के लिए चिकित्सा परीक्षण (टेस्टिंग), स्क्रीनिंग और अन्य आवश्यकताओं की पूरक एवं संवर्धित या बढ़ी हुई सुविधाओं का इंतजाम किया जा सके और इसके साथ ही इस महामारी की चपेट में आए मरीजों का इलाज भी हो सके।

मनरेगाः 'पीएम गरीब कल्याण योजना' के तहत 1 अप्रैल, 2020 से मनरेगा मजदूरी में 20 रुपये की बढ़ोतरी की जाएगी। मनरेगा के तहत मजदूरी बढ़ने से प्रत्येगक श्रमिक को सालाना 2,000 रुपये का अतिरिक्त लाभ

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज

सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में कोविड-19 से लड़ने वाले स्वास्थ्य कर्मियों के लिए बीमा योजना। सफाई कर्मचारी, वार्ड-ब्वॉय, नर्स, आशा कार्यकर्ता, सहायक स्वास्स्यं कर्मी (पैरामेडिक्स), टेक्निशियन, डॉक्टर और विशेषज्ञ एवं अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ता एक विशेष बीमा योजना के तहत बीमा कवर पाएंगे। कोविड-19 मरीजों का इलाज करते समय किसी भी स्वास्थ्य प्रोफेशनल के साथ दुर्घटना होने पर उन्हें योजना के तहत 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों, वेलनेस सेंटरों और केंद्र के साथ-साथ राज्यों के अस्पतालों को भी इस योजना के तहत कवर किया जाएगा, इस महामारी से लड़ने के लिए लगभग 22 लाख स्वास्थ्य कर्मियों को बीमा कवर प्रदान किया जाएगा।

विराट पर नरमी से आईपीएल करार नहीं मिलताः लक्ष्मण

नई दिल्ली (वार्ता)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान माइकल क्लार्क के आईपीएल में अच्छा करार मिलने के लिए भारतीय कप्तान विराट कोहली के प्रति नरमी दिखाने वाले बयान पर पूर्व भारतीय खिलाड़ी और सनराजर्स हैदराबाद के मेंटर वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि किसी भी भारतीय खिलाड़ी से मित्रता होने से किसी को भी इस टूर्नामेंट में करार नहीं मिलता है।

क्लार्क ने कुछ दिनों पहले विवादास्पद बयान देते हुए कहा था कि आईपीएल में अच्छा करार हासिल करने की वजह से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अपनी जमीन पर पिछली सीरीज में

विराट के प्रति नरम रहते हैं और उनकी स्लेजिंग करने से डरते हैं।

लक्ष्मण ने स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड पर क्लार्क के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ÷किसी खिलाड़ी के प्रति अच्छा व्यवहार करने से आपको आईपीएल में जगह नहीं मिलती है। सभी फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें टीम में शामिल करती हैं जो उनकी टीम को बेहतर परिणाम दिला सके। ऐसे खिलाड़ियों को ही आईपीएल में जगह मिलती है, इसलिए सिर्फ किसी के प्रति नरम रहने से आप आईपीएल में स्थान हासिल नहीं कर सकते। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान क्लार्क ने बिग स्पोर्ट्स ब्रेकफास्ट पर कहा था, ÷सब जानते है कि आईपीएल के साथ अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर खेल के वित्तीय भाग के तौर पर भारत बेहद शक्तिशाली है।आईपीएल तो वैसे भी बेशुमार दौलत से भरपूर है जहां खिलाड़ियों को मोटी रकम मिलती है। मुझे

पूर्व लंदन मैराथन चैंपियन डोप टेस्ट में फेल, निलंबित

नैरोबी। लंदन मैराथन के पूर्व चैंपियन केन्या के डेनियल वानजिरु को डोप टेस्ट में फेल होने के बाद अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया गया है। एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने वानजिरु के बायोलॉजिकल पासपोर्ट में गड़बड़ी मिलने के बाद उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। हालांकि वानजिरु ने कहा है कि वह निर्दोष हैं। एआईयू ने बयान जारी कहा कि वानजिरु के एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट में गड़बड़ी मिली है जो विश्व एथलेटिक्स डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन है। नियम के अनुसार डोपिंग मामले में अस्थायी रुप से निलंबित करना जरुरी होता है।

हालांकि वानजिरु ने कहा कि वह निर्दोष हैं और एआईयू के सामने यह साबित कर देंगे। उन्होंने कहा, ÷मैं साफ सुथरा हूं। एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट भ्रम पैदा कर रहा है और इससे मुझे निराशा हो रही है। जानकारों ने मुझे इस बारे में जानकारी दी कि ऐसा कैसे हो सकता है। मैं निर्दोष हूं और जो हो रहा है उससे काफी व्यथित हूं।

यूट्यूब चैनल को लॉन्च करने की तैयारी में सलमान

मुंबई। बॉलीवुड के दबंग स्टार सलमान खान अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च करने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान अक्सर सोशल मीडिया के जरिए अपने काम एवं निजी जिंदगी की झलकियां एवं मजेदार वीडियो साझा करते हैं। बताया जा रहा है कि सलमान खान अपने यूट्यूब चैनल को लॉन्च करने के लिए तैयार हैं, जिसे 'बीइंग सलमान खान' का नाम दिया गया है। चैनल के माध्यम से सलमान अपने प्रशंसकों के लिए अपनी निजी जिंदगी के कुछ लम्हों को साझा करेंगे, जिससे उनके प्रशंसक उन्हें और ज्यादा करीब से जान पाएंगे। सलमान अपने प्रशंसकों एवं फॉलोअर्स को कोविड-19 के बारे में अवगत कराने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कोरोना वायरस ट्विस्ट के साथ साल 1989 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मैंने प्यार किया' के एक रोमांटिक दृश्य को रीक्रिएट किया, जिसे दर्शकों द्वारा खूब पसंद भी किया गया।

हवाई यात्री परिवहन को 314 अरब डॉलर का नुकसान होगाः आयटा

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयटा) ने कोरोना वायरस 'कोविड 19' के कारण इस साल हवाई यात्री परिवहन क्षेत्र को 314 अरब डॉलर का राजस्व नुकसान होने की आशंका व्यक्त की है।

नई दिल्ली (वार्ता)। आयटा ने अपने पिछले अनुमान में संशोधन करते हुए कहा है कि यदि हवाई यात्राओं पर तीन महीने और कड़े प्रतिबंध जारी रहते हैं तो इस वर्ष यात्रियों की संख्या में 48 फीसदी गिरावट दर्ज की जायेगी। इससे 314 अरब डॉलर यानी 55 प्रतिशत के राजस्व का नुकसान होगा। आयटा ने इससे पहले 24 मार्च को जारी अनुमान में 252 अरब डॉलर के नुकसान की आशंका जताई थी।

संघ के महानिदेशक एलेक्जेंडर डी जुनियेक ने कहा ÷विमानन उद्योग का परिदृश्य दिनों-दिन अधिक अंधकारमय होता जा रहा है। जिस हद तक यह संकट फैल चुका है, वहाँ से एकाएक सुधार की उम्मीद नहीं है। व्यावहारिक रूप से धीरे-धीरे सुधार होगा। अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा से जल्दी घरेलू क्षेत्र में गति आयेगी। आयटा की रिपोर्ट के अनुसार, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे अधिक 113 अरब डॉलर का राजस्व नुकसान होगा। यहाँ यात्री यातायात में 50 फीसदी की गिरावट रहेगी। यूरोप में यात्री यातायात 55 प्रतिशत और राजस्व 89 अरब डॉलर, उत्तरी अमेरिका में यात्री यातायात 36 प्रतिशत और राजस्व 64 अरब डॉलर, पश्चिम एशिया में यातायात 51 प्रतिशत और राजस्व 24 अरब डॉलर, लातिन अमेरिका में यातायात 49 फीसदी और राजस्व 18 अरब डॉलर तथा अफ्रीका में यातायात 51 प्रतिशत और राजस्व छह अरब डॉलर कम होगा।

कोरोना से वैश्विक अर्थव्यवस्था को होगा 90 खरब डॉलर का नुकसान

वॉशिंगटन/ नई दिल्ली (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) का अनुमान है कि कोरोना वायरस 'कोविड-19' के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था को दो साल में 90 खरब डॉलर का नुकसान होगा। यह राशि भारत के पूरे साल के सकल घरेलू उत्पाद के तीन गुणा से भी अधिक है। आईएमएफकी मुख्य अर्थशास्त्री गीता गोपीनाथ ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। आईएमएफऔर विश्व बैंक की आज से शुरू हुई ग्रीष्मकालीन बैठक के पहले दिन 'वैश्विक आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट जारी करने के बाद आयोजित इस वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीन प्रतिशत की गिरावट आयेगी जो 1930 की 'महामंदी' के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है। उन्होंने कहा कि यदि इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था को वर्ष 2020 और 2021 में 90 खरब डॉलर का नुकसान होगा। श्रीमती गोपीनाथ ने कहा, तीन महीने पहले आईएमएफने आर्थिक विकास परिदृश्य पर अपनी पिछली रिपोर्ट जारी की थी। इन तीन महीनों में दुनिया में नाटकीय बदलाव आया है। जिस वृहद पैमाने पर और जिस तेजी से अर्थव्यवस्थायें धराशायी हुई हैं वह हमारे जीवनकाल में अभूतपूर्व है। हमने जनवरी में इस साल वैश्विक विकास दर 3.3 प्रतिशत रहने का पूर्वानुमान व्यक्त किया था।

वर्चुअल क्लास लेने वाले बच्चों की मदद को आगे आईं प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा लॉकडाउन के दौरान वर्चुअल क्लास लेने वाले बच्चों की मदद कर रही हैं। प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें उन्होंने बताया है कि उन्होंने एक ब्रैंड के साथ पार्टनरशिप करते हुए उन बच्चों को हेडफोन्स उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है जो कोरोना के कारण नए वर्चुअल क्लासरूम्स को अटैंड कर रहे हैं। प्रियंका ने बताया कि यूथ इम्पावरमेंट और एजुकेशन में सक्सेस, ये दो ऐसी चीजें हैं जो उनके दिल के करीब हैं। वीडियो के आखिर में उन्होंने फैंस को प्रोत्साहित करने की कोशिश की थी। प्रियंका और उनके पति निक ने प्राइम मिनिस्टर्स सिटिजन असिस्टेंस और पीएम केयर्स फंड, यूनिसेफ एवं गूंज समेत 10 चैरिटीज में डोनेशन किया है। हालांकि, उन्होंने कितना अमाउंट डोनेट किया, इसकी जानकारी नहीं है। प्रियंका ने नर्सों के लिए भी डोनेशन दिया है। उन्होंने हेल्थकेयर वर्कर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की तारीफभी की थी जो दिन-रात मरीजों का ट्रीटमेंट कर रहे हैं और उन्हें वायरस से बचा रहे हैं।

अब महानदी से शुद्ध पानी आपूर्ति में नहीं होगी कोई तकनीकी दिक्कत

■ खराब हो चुकी पाइपों को बदला, पुराने केबल, वायर, पैनल भी बदले गए

महासमुंद। नगर पालिका प्रशासन ने मंगलवार को नगर के महानदी जल आवर्धन के मुढ़ेना इंटकवेल और बेलसोंडा फिल्टर प्लांट में मेंटनेंस कार्य किया। इसके अंतर्गत खराब हो चुकी पाइपों को बदला गया। पुराने केबल, वायर, पैनल आदि भी बदले गए। मेंटनेंस के बाद अब महानदी से शुद्ध पानी आपूर्ति में कोई तकनीकी दिक्कत नहीं होगी। हालांकि मेंटनेंस के चलते दोपहर में 21 वार्डों में पानी नहीं आया। शाम को सभी सातों टंकियों से पानी सप्लाई हुई। नगर पालिका प्रशासन ने एक दिन पहले ही बता दिया था कि बेलसोंडा फिल्टर प्लांट एवं मुढ़ेना इंटेकवेल के मेंटेनेंस के लिए मंगलवार दोपहर पेयजल आपूर्ति बंद रहेगी। इसके अनुसार ही वार्ड 1 से लेकर वार्ड 21 तक दोपहर में पानी सप्लाई को बंद रखा गया। वहीं वार्ड 22 से लेकर वार्ड 30 में दोपहर में भी पानी दिया गया। मेंटनेंस के चलते 21 वार्डों में सिर्फ दोपहर को पानी नहीं दिया गया, सुबह और शाम को अन्य दिनों की तरह सभी टंकियों से पानी सप्लाई की गई। नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर का कहना है कि अब इंटकवेल व फिल्टर प्लांट में बिजली बंद होने की दशा में ही पानी सप्लाई प्रभावित हो सकती है, कोई तकनीकी खराबी इसका कारण नहीं होगी।

रेलवे लाइन किनारे नहीं पहुंच रहा पानी

नगर के वार्ड 2 में रेलवे लाइन किनारे 8-9 घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। बताया गया है यह स्थिति करीब 8-9 दिनों से है। इस संबंध में पालिकाध्यक्ष का कहना है कि उस क्षेत्र में बोर से पानी सप्लाई होती है। बोर में कुछ खराबी आ गई है। उसे ठीक किया जा रहा है।

डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती मनी

महासमुंद। संविधान निर्माता एवं भारतरत्न डा भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर पूर्व विधायक डॉ विमल चोपड़ा ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान पार्षदगण महेंद्र जैन, देवीचंद राठी, भाजपा नेता महेंद्र शिखा एवं हनीश बग्गा उपस्थित थे।

बेखौफ बिक रही है, महुआ शराब

महासमुंद। लॉकडाउन व धारा 144 के बावजूद खल्लारी थाना क्षेत्र के समीपस्थ ग्राम आंवराडबरी और बी.के.बाहरा के ओड़िया डेरा (राम सागर पारा) में बेख़ौफ कच्ची (महुआ) शराब बिक रही है। जहां हर रोज क्षेत्र के शराब प्रेमी बड़ी संख्या में सुबह, दोपहर, शाम को महुआ शराब पीने पहुंच जा रहे है। वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इन गांवों में कच्ची (महुआ) शराब बेचने वाले लोग प्रति गिलास 70 से 80 रुपये तक का शुल्क निर्धारित कर रखें हैं। जबकि लॉकडाउन और धारा 144 को ध्यान में रखते हुए इन दिनों कच्ची (महुआ) शराब बनाने और बेचने वाले लोगों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जरूरत है।

चोरी छुपे हो रही था सिगरेट, गुटखा की सप्लाई का कारोबार चढ़े पुलिस के हत्थे

धमतरी। नोवल कोरोना वायरस (ष्टश्1द्वस्र-19) के संक्रमण के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन एवं प्रशासन द्वारा जारी आदेशों के अनुपालन में पुलिस अधीक्षक बी.पी. राजभानु के निर्देशानुसार व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे के सतत मॉनिटरिंग व लोकहित में लाकडाउन के दौरान जिला दंडाधिकारी धमतरी के द्वारा जारी आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है । जिला प्रशासन द्वारा लाकडाउन के दौरान प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक अत्यावश्यक सेवाओं संबंधी दुकान खोलने हेतु समय निर्धारित किया गया है,इसके बावजूद कुछ दुकानदारों के द्वारा आर्थिक लाभ के उद्देश्य से अनावश्यक दुकान को खोलकर प्रशासन के आदेशों का उल्लंघन किया जा रहा है । पेट्रोलिंग के दौरान थाना नगरी को सूचना मिली कि वार्ड क्रमांक 6 जंगलपारा नगरी में निर्मल देवांगन के द्वारा बाहर से 02 व्यक्तियों को बुलाकर अपने दुकान से जर्दा युक्त गुटखा, तंबाकू, सिगरेट आदि बड़ी मात्रा में बिक्री कर रहा है। उक्त सूचना पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनीषा ठाकुर रावटे व पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नगरी नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नगरी एनएस ठाकुर अपने स्टाफ व गवाहों के साथ मौके पर 14/04/2020 के दोपहर करीबन 3:30 बजे दबिश दिए, जहां पर निर्मल देवांगन के अतिरिक्त अन्य 02 बाहरी व्यक्ति मिले, जिनका कड़ाई से नाम पता व आने का कारण तथा बोरी में रखे सामान के बारे में पूछने पर उन्होंने जर्दा युक्त गुटखा, तंबाकू, सिगरेट आदि निर्मल देवांगन से क्रय करना बताएं।

लॉक डाऊन के मद्देनजर कानून व्यवस्था का जायजा लेने नक्सल क्षेत्र के थानों में पहुंचे एसपी

धमतरी। जिले के घोर नक्सल क्षेत्र के थानों में आज एसपी पहुंचे थे। जिन्होंने स्थिति का जायजा लिया, वहीं आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। मालूम हो कि देश मे कोरोना महामारी को लेकर जहां एक ओर लॉक डाउन है। इस विकट परिस्थिति में पुलिस अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रही है। जिले के पुलिस कप्तान भी इस मसले पर काफी गम्भीर है। बताया गया कि आज मंगलवार को जिले के एसपी बीपी राजभानू घोर नक्सल क्षेत्रों की ओर दौरे में निकले थे, जो नगरी सिहावा बोराई समेत अन्य थाना चौकी कैंपों का निरीक्षण किये। उनका उन इलाकों में जाने का मकसद यह था कि कोरोना संकट में और लॉक डाउन के दौरान उन क्षेत्रों में तैनात पुलिस अधिकारी और जवानों को किसी किस्म की तकलीफतो नहीं, इसके साथ उन्होंने नक्सल मुद्दे पर भी उन लोगों से चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया है। नाकेबंदी पॉइंट का भी निरीक्षण एसपी ने जिले के नाकेबंदी पॉइंट का भी निरीक्षण किया। ज्ञात हो कि जिले में नाकेबंदी पॉइंट्स भी बनाये गये है ताकी अन्य जिलों से आने वालों का पता चल सके। फिर जिले की सीमाये उड़ीसा समेत अन्य राज्यों को भी जोड़ती है।

लॉकडाउन में ग्रामीण क्षेत्र की स्थिति का लिया जायजा

धमतरी। लॉकडाउन का गम्भीरता से पालन कराने प्रशासन पूरी तरह से सजग है। साथ ही इस बात का भी ख्याल रखा जा रहा कि गरीब परिवारों को किसी तरह की परेशानी तो नहीं हो रही, शहर के साथ गांवों में भी व्यवस्था पर ग्रामीणों की नजर है। एसडीएम मनीष मिश्रा, निगम कमिश्नर आशीष टिकरिहा, जनपद सीईओ अमित दुबे, तहसीलदार ज्योति ने विभिन्न ग्रामों का दौरा किया।

नगरी के उमरगांव में तेंदुआ ने किया पालतू पशुओं का शिकार

■ अब सिहावा के पहाड़ पर देखा गया

नगरी। लॉक डाउन की वजह से सड़कों व गलीयों में पसरे सन्नाटे की वजह से जंगली जानवर रिहायशी इलाकों तक पहुंच रहे हैं । ग्राम पंचायत उमरगांव में सोमवार रात्रि 8:00 बजे तेंदुओं ने दो बछड़े व एक कुत्ते पर हमला किया। दोनो बछडो़ को घायल कर दिया व तेंदुओं ने कुत्ते को घसीटते हुये खेतों की ओर ले गया।

ग्राम पंचायत के सरपंच सुरेश मरकाम ने वन विभाग बिरगुड़ी रेंज को इस बात की जानकारी दी। वन परिक्षेत्र अधिकारी नेताम ने मामले को संज्ञान में लेते हुए त्वरित कार्यवाही की,व ग्रामीणो को सावधानी बरतने की सलाह दी।

नगरी के ग्राम दिनकरपुर में भी तेन्दुआ दिखने से ग्रामवासी दहशत में हैं। सरपंच द्वारा मिली जानकारी के अनुसार पहले दिन दिनकरपुर के वार्ड पंच प्रेमलाल नेताम पिता जगनाथ की मवेशी को शिकार बनाया।

दूसरे दिन फिर शाम होते ही गाँव के पास ही दहाड़ मारते हुए विचरण करते हुए लोगों ने देखा। तभी से ग्रामीण डरे सहमे हुए हैं। इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों को भी दे दी गई है।

घर में घुसकर अपनी व बच्चे की जान बचाई

मोहल्ले में तेंदुए को देखकर ग्रामीण दहशत में है। परमिला निषाद ने बताया कि वह बच्चे के साथ घर के आंगन में बैठी थी,तभी अचानक तेंदुए ने हमला किया। भागकर घर में घुसकर अपनी व बच्चे की जान बचाई।

कोरोना वायरस से बचाव के लिये मुस्तैदी से काम कर रही है स्वच्छाग्रही महिलाएं

गरियाबंद। आज पूरा विश्व कोरोना वायरस (कोविड-19) की चपेट में है छत्तीसगढ़ राज्य भी इस भयावह बीमारी से अछूता नहीं है। छत्तीसगढ़ राज्य में अब कोरोना से संक्रमित मरीजों की पुष्टि हो चुकी है। कोरोना से संक्रमित सभी मरीजों का इलाज जिले से महज 90 किमी दूर राज्य की राजधानी रायपुर में चल रहा है। चूंकि गरियाबंद जिला राजधानी से लगा हुआ है अतः यहां भी संक्रमण का खतरा लगातार बना हुआ है। कलेक्टर श्याम धावड़े व जिला पंचायत के सीईओ विनय कुमार लंगेह के सतत मार्गदर्शन में इस खतरे से निपटने जिले की स्वसहायता समूह की महिला स्वच्छाग्रही बड़ी जवाबदारी निभा रही हैं। वे मैदानी स्तर पर ग्रामीणों को इस भयावह बीमारी से निपटने की कला रंगोली और स्थानीय भाषा में सिखा रही है।

सोशल डिस्टेंसिंग का कराया जा रहा है पालन

जिले की ये महिलाएं अपने-अपने ग्राम पंचायतों में प्रचार-प्रसार के माध्यम से लोगों को बता रही है कि यह बीमारी कोरोना (कोविड-19) संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से फैलता है जिसके लिये गांव में सोशल डिस्टेसिंग का पालन कड़ाई से कराया जा रहा है। गांव में राशन दुकान के बाहर सुरक्षित दूरी में घेरा बनाकर लोगों का सामाजिक दूरी बनाये रखने हेतु जागरूक किया जा रहा है तथा सभी को आवश्यक रूप से मास्क का उपयोग कारने हेतु प्रेरित किया जा रहा है।

गरियाबंद में बिहान की बहनें बखूबी निभा रही है कोरोना वारियर की भूमिका

गरियाबंद। कोविड-19 वायरस के संक्रमण को रोकने जहां शासन-प्रशासन सजग और सतर्क है। वहीं इस दौरान जिले में बिहान की बहनें अपनी सजगता और समर्पण का परिचय दे रही हैं। बिहान की इन महिला समूहों द्वारा कपड़े के 36 हजार से अधिक मास्क बनाकर जिला प्रशासन को सौंपा गया है। इससे उन्हें 4 लाख 32 हजार रूपये का आय भी अर्जित हुआ। लॉकडाउन के दौरान महिला समूहों का यह प्रयास कोविड-19 की लड़ाई से बचने में मद्दगार साबित हुआ है। वहीं बैंक सखियों द्वारा भी घर-घर जाकर सरकार की योजनाओं से प्राप्त राशि का वितरण किया जा रहा है। संकट की इस घड़ी में बिहान की बहने वारियर की भूमिका बखूबी निभा रही है।

भीड़ देख घबराए बायसनों ने महिला और युवक पर किया हमला

महासमुंद। जोबा और गढ़सिवनी में बायसनों ने दो लोगों को घायल कर दिया। भीड़ देख घबराया बायसन गढ़सिवनी के गलियों में भागने लगा और बाड़ी में काम कर रहे एक युवक पर हमला कर दिया। बाद जोबा में एक महिला भी शिकार हो गई। गजराज वाहन जैसे ही बायसन के करीब पहुंचा तो वह जंगल की ओर भाग निकला। घायल महिला और युवक को उपचार के लिए तुमगांव सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक सुबह कुछ ग्रामीणों ने अछोली में 6 बायसन को खेतों में भटकते हुए देखा। बायसनों को देखने भीड़ हो गई। भीड़ से घबराए तीन बायसन अलग दिशा में भागने लगे। इस दौरान तीनों बायसन जोबा की गलियों में पहुंच गए। जहां जानकी बाई पति राम बंजारे (60) पर हमला कर दिया। इस बीच वन अमला पहुंच चुका था। वाहन महिला को बचाने पहुंचा आवाज सुनकर बायसन भाग निकले। इधर, एक बायसन गढ़सिवनी में बाड़ी से छलांग लगाते हुए योगेश्वर पिता चुन्नू लाल साहू (50) पर हमला कर दिया। बायसन ने योगेश्वर को सींग से पटका, जिससे उसके पेट में गंभीर घाव हो गया। दोनों को तुमगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जहां उनका उपचार जारी है।

छात्रावास का ताला तोड़कर चोरी

महासमुंद। आईटीआई छात्रावास के 15 कमरों का ताला तोड़कर अज्ञात ने प्रशिक्षणर्थियों के सामान पार कर दिए। हॉस्टल प्रभारी और ट्रेनिंग ऑफिसर डॉ. अश्वनी कुमार पुरोहित ने सिटी कोतवाली में चोरी की लिखित शिकायत की है। जानकारी के अनुसार आईटीआई का 100 सीटों वाला हॉस्टल है। यहां चौकीदार बाहर के कमरे में सोता है। 12 अप्रैल की सुबह जब चौकीदार मेनगेट का ताला खोलकर अंदर गया तो कमरों का ताला व कुंदा टूटा हुआ था। एक कमरे में दो छात्र रहते हैं। जानकारी होने पर जब दो छात्र पहुंचे तो एक छात्र का मॉनिटर, कपड़े, इयर फोन, चिल्लर पैसे व चावल तथा एक छात्र का लैपटाप गायब मिले। अन्य छात्रों का कितना सामान चोरों ने पार किया है यह छात्रों के आने के बाद भी पता चलेगा। लॉकडाउन के कारण छात्रावास में रहने वाले 77 छात्र अपने घर चले गए हैं। यहां चौकीदार के अलावा कोई नहीं रहता।

जंगल में हो रहा था अवैध कब्जा, कब्जाधारी गिरफ्तार

■ वन विभाग ने की बेदखली की कार्यवाही

गरियाबंद। धमतरी जिला के नगरी क्षेत्र में रहने वाले दो परिवार गरियाबंद परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम जोबा दशपुर के जंगल जमीन में अवैध कब्जा कर झोपड़ी निर्माण कर रहे थे। जिसके विरूध्द वन विभाग ने लगातार दो बार बेदखली की कार्यवाही की है। डीएफओ मयंक अग्रवाल ने बताया कि धमतरी जिले में रहने वाले इस दो परिवार के चार सदस्यो ने लगातार दो बार 12 और 13 अप्रैल को जंगल जमीन पर अवैध कब्जा करने झोपड़ी निर्माण थी इसके लिए जंगल के वृक्षो की गर्डिंग व बल्लीनुमा लकड़ी की कटाई भी की थी। 12 अप्रैल को पहली बार कार्यवाही करते हुए जमना बाई पति सरजू राम गोड़ तथा गीता बाई पति सुरेश कुमार गोंड़ के विरूध्द वन अधिनियक की धारा के तहत प्रकरण दर्ज किया था साथ ही अवैध झोपड़ी को हटा दिया गया था। इस दौरान कुल 64 नग मिश्रिम बल्ली जप्त करने के साथ ही दोनो पर चार चार हजार जुर्माना भी लगाया गया और अतिक्रमण छोड़ने की शर्त पर प्रकरण नस्ती किया था परंतु दोनो आरोपी के पतियो द्वारा एक ही रात में 13 अप्रैल को पुन अवैध झोपड़ीनुमा मकान निर्माण कर लिया गया। जिसे पुन वन विभाग की टीम द्वारा बेदखल किया गया हैं। इसमें आरोपी सरजू राम पिता देशराम जाति गोड़ व सुरेश पिता बिदेराम जाति गोड़ के विरूध्द वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियो के पास से 82 नग बांस बल्ली जप्त की गई है।

पालिका कर्मचारियों ने दिया एक दिन का वेतन

बागबाहरा। कोरोना वायरस के संक्रमण से रोकथाम के लिए नगर पालिका परिषद बागबाहरा संसाधन के साथ युद्ध स्तर पर जुटी है। बागबाहरा नगर पालिका के कर्मचारियों ने कोरोना वायरस से बचाव के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में एक दिन का वेतन 48 हजार रुपए का अंशदान जमा किया। कर्मचारियों की तरफसे मुख्य नगरपालिका अधिकारी अमरनाथ दुबे ने कलेक्टर सुनील कुमार जैन को 48 हजार का चेक सौंपा।

लॉकडाउन के दौरान अवैध कच्ची शराब विक्रेता के विरुद्ध कार्यवाही

राजनांदगांव। जिले के पुलिस कप्तान जिले के पुलिस कप्तान जितेन्द्र शुक्ला एवं नगर पुलिस अधीक्षक एमएस चंद्रा के निर्देशन पर अवैध शराब विक्रेताओं के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति ग्राम रेंगाकठेरा में अपने घर के बाड़ी मे अवैध रुप से बिक्री करने हेतु महुआ कच्ची शराब रखा है सूचना पर तत्काल थाना लालबाग टीम द्वारा रेड कार्यवाही कर आरोपी धनेश कुमार पिता रामसाय साहू उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम रेंगाकठेरा के कब्जे से समक्ष गवाहन के बिक्री करने की नीयत अवैध रुप से रखे लगभग 3.25 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद किया गया आरोपी के विरुध्द थाना लालबाग मे अपराध क्रमांक 152/20 धारा 34(ए) आबकारी एक्ट पंजीबध्द किया गया।

ग्राम साहू समाज पदुमतरा ने दी राहत कोष में राशि

राजनांदगांव। कोरोना वायरस जैसे राष्ट्रीय आपदा की इस घड़ी में ग्राम साहू समाज पदुमतरा ने अपनी सेवाभावी जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का परिचय देते हुए जिला राहत आपदा कोष में सहयोग राशि प्रदान की है। ग्राम साहू समाज पदुमतरा की ओर से ग्राम अध्यक्ष कालू राम साहू, रिखी राम साहू, जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू, सरपंच प्रतिनिधि मोहन साहू, दुर्गा साहू ने सोमवार को राजनांदगांव जिला प्रशासन को ग्यारह हजार रूपए की सहयोग राशि जमा किये।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बुढ़े सुखों पोयाम को...

वक्त पर पहुंची लेकिन खस्ताहाल रास्तों के कारण वह गांव तक नहीं पहुंच पाई। बस्तर की मुख्य सड़कें जितनी अच्छी हैं उसकी तुलना में उससे कहीं ज्यादा गांव का पहुंच मार्ग बदतर स्थिति में है। लेकिन अपने कर्तव्य को समझते हुए एम्बुलेंस स्टाफ ने करीब 1 किलो मीटर से ज्यादा का रास्ता पैदल ही तय किया और साथ में चिकित्सा किट लेकर वे तकलीफ से कराहते बूढ़े सुखो पोयाम तक पहुंच ही गए। बाद में उसकी हालत खराब होता देख पूरी टीम ने गांव वालों की मदद से मरीज को खाट पर लादकर पैदल ही रास्ता तय किया और फिर एम्बुलेंस तक लेकर पहुंचे। एक मरीज की तो जान महफूज करने में 108 की टीम को कामयाबी के साथ सराहना भी मिली, लेकिन यह भी सवाल उठा कि गांव तक पहुंचने का रास्ता और बस्तर के ग्रामीणों को क्या ऐसे ही चिकित्सा लाभ के लिए मशक्कत करना होगा। इसका मुख्य कारण इन गांवों मे होता हैं सड़क का निर्माण ना होना दिखता है प्रशासन को भी जब-जब इन क्षेत्रों में किसी मरीज की तबीयत खराब होती है 108 की सुविधा गांव तक जाने में सक्षम नहीं होता और कई बार मीडिया के माध्यम से भी शासन - प्रशासन और जनप्रतिनिधियों तक पहुंचती है यह बात पर इस दिशा में किसी भी तरह ध्यान ना देना या दर्शाता है कि लोगों के प्रति प्रशासन की ओर से कोई पहल नहीं होता जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है इन दिनों।

छत्तीसगढ़ के 23 जिलों...

इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों में कैम्पस के भीतर श्रमिकों के रहने, खाने आदि की व्यवस्था होने पर उद्योगों को चालू किया जा सकता है। इन्टर स्टेट आवागमन पर पाबंदी रहेगी। हाटस्पॉट क्षेत्रों में लॉकडाउन का कड़ाई से पालन किये जाने की आवश्यकता बताई गई। इसके अतिरिक्त कृषि कार्य, ग्रामीण विकास के कार्य एवं ग्रामीण क्षेत्रों में अन्य रोजगार मूलक कार्य हेतु राज्य सरकार 20 तारीख तक निर्णय ले सकती है।

दोपहिया पर 1 और कार में 2 से ज्यादा बैठे तो कार्रवाई

लॉकडाउन-2 में अब पुलिस काफी सख्ती बरत रही है। सोशल डिस्टेंश का पालन कराने के लिए राजधानी रायपुर में 2 पहिये पर 1 से ज्यादा सवारी और 4 पाहिये में 2 से ज्यादा सवारी आगामी आदेश तक प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसका उल्लंघन करने वालो पर कड़ी कार्रवाई होगी। साथ ही मास्क लगाना अनिवार्य है।

लॉकडाउन 2 में...

स्पेयर पार्ट्स की दुकानें भी खुली रहेंगी। इसके अलावा खेती से जुड़ी मशीनों को एक राज्य से दूसरे राज्य ले जाने पर भी कोई पाबंदी नहीं लगाई गई है।

सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन करना अनिवार्यः बैंक, एटीएम और उससे जुड़ी हुई सेवाओं को भी पहले जैसे छूट मिलती रहेगी। सरकार ने स्थानीय प्रशासन को बैंकों को सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने को कहा है। हालांकि, इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का भी पालन किए जाने का निर्देश है। सरकार ने कहा है कि संशोधित दिशा निर्देश लॉकडाउन के पहले चरण के दौरान मिले लाभ और दूसरे चरण में कोरोना के संक्रमण को रोकने के मद्देनजर है। इसके साथ ही सरकार का उद्देश्य दूसरे लॉकडाउन के दौरान किसानों और श्रमिकों और दैनिक वेतन भोगियों को राहत प्रदान करना है।

तीन मई तक बढ़ाया गया है लॉकडाउनः कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन को 3 मई तक बढ़ा दिया गया है। मंगलवार को घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि संक्रमण पर रोक लगाने में लॉकडाउन के प्रभावी नतीजे मिले हैं। प्रधानमंत्री ने करीब 25 मिनट के राष्ट्र के नाम संबोधन में कहा कि दूसरे चरण में लॉकडाउन का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जायेगा। उन्होंने कहा था कि 20 अप्रैल से कुछ इलाकों में छूट भी दी जा सकती है।

मुरादाबाद में डॉक्टरों...

संपर्क में आए लोगों को क्वारंटीन करने के लिए लेने गई थी। ऐंबुलेस जैसे ही कुछ लोगों को लेकर निकली, दर्जनों लोगों ने ऐंबुलेंस को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। ऐंबुलेंस में मौजूद डॉ. एससी अग्रवाल को खींचकर लोगों ने पीटना शुरू कर दिया। चारों तरफसे पथराव होने पर वहां मौजूद पुलिस के सिपाही भी भाग निकले। मेडिकल स्टाफ ने बताया कि लोगों ने वहां हम लोगों को पीटने की पहले से ही तैयारी कर रखी थी। घटना में पुलिस की गाड़ी और ऐंबुलेंस आदि को भारी नुकसान पहुंचा है।

कोरोना चमगादड़ों में...

ऐसा संभव है भी तो हजार साल में एकाध बार होता होगा।' प्रवक्ता ने कहा, 'कोरोना वायरस चमगादड़ों के अंदर भी पाया जाता है। चीन में हुए रिसर्च से पता चला है कि चमगादड़ से सीधे इंसान में आया होगा या फिर पेंगुलीन नामक जानवर के जरिए इंसान में आया होगा।' आईसीएमआर ने बताया कि बैट्स का वायरस का ऐसा म्यूटेशन डिवेलप हुआ जिससे उसके अंदर इंसान के अंदर क्षमता पैदा हो गई। वह ऐसा विषाणु बन गया होगा जो इंसानों में आकर बीमार करने को सक्षम हो गया हो। ऐसा वायरस इंसान में आया होगा।

जिले को सघन अभियान चलाने के निर्देशः वहीं, लॉकडाउन की समयसीमा 3 मई तक बढ़ाने के बाद सरकार पूरे देश में कोविड-19 मैनेजमेंट को भी पुख्ता कर रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता लव अगरवाल ने बताया कि जिलों को स्पेशल कोविड सेंटर्स तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें कहा गया है कि क्लिनिकल मैनेजमेंट की पुख्ता व्यवस्था करना है। अगरवाल ने कहा, 'जो जिले अब तक वायरस से अछूते हैं, उन जिलों को संक्रमण से दूर रखने की कोशिश होती रहे। एक जिले की असफलता, पूरे देश की असफलता का कारण बन सकती है।

जिलों की तीन कैटेगरी...

जहां इक्का-दुक्का मामले आए हैं, उन्हें नॉन-हॉटस्पॉट और जहां अब तक एक भी केस नहीं आया है, उन्हें ग्रीन जोन कैटिगरी में रखा जा रहा है।

कोरोना के मामले...

का सदुपयोग करने के लिए कहा गया है। साथ ही लव अग्रवाल ने यह भी बताया कि कैबिनेट सचिव ने आज राज्यों के चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी, हेल्थ सेक्रेटरी, कलेक्टर, एसपी, नगर आयुक्त और सीएमओ से वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए बात की। राज्य सरकारों के साथ बातचीत में हॉटस्पॉट को लेकर चर्चा हुई। जिलों को बताया गया है कोविड अस्पताल बनाए। जो जिले अभी तक कोरोना के संक्रमण से बचे हुए हैं, उन्हें बचाकर रखने के लिए कहा गया है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

मास्क लगाना हुआ अनिवार्य, नहीं तो होगी कार्यवाही

नवप्रदेश संवाददाता

कवर्धा। जिले में मास्क लगाना अनिवार्य हो चुका है। बावजूद इसके बहुत से लोग बिना मास्क के घुमते देखे जा रहे है। सुरक्षा को ध्यान मे रखते हुए ऐसे लोगो पर कार्यवाही किया जाना उचित होगा क्योकि खुद तो ये बिमारी को निमंत्रण देंगे साथ ही इनके संपर्क में आने वाले लोग भी प्रभावित होंगे। ज्ञात हो कि सरकार की अपील लोगो पर बेअसर साबित हो रही है। लोगो से आग्रह करने के बाद भी वे बिना मास्क घर से बाहर निकल रहे है। इससे वे खुद के जीवन का खिलवाड तो कर ही रहे हैं। इसके साथ ही अन्य लोगो के जीवन के लिए भी खतरा पैदा कर रहे है। लेकिन अब प्रशासन ने ऐसे लोगो के खिलाफकठोर कार्यवाही करने का निर्णय ले लिया है। निर्देश के बाद भी जो बिना मास्क के घर के बाहर निकलेगा उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज होगा और सजा हो सकती है।

बेवजह अपने घरो से बाहर निकलने और बिना मास्क पहने घूमने वाले लोगो के खिलाफ पुलिस सख्त रवैया अपना रही है। पुलिस ने शहर मे मुनादी कराकर लोगो से अपील की है कि वे बेवजह घरो से बाहर न निकले और अगर किसी जरूरी कार्य से निकले तो मुंह ढककर निकले। जिला प्रशासन ने सभी कर्मियो को निर्देश दिए है कि जो भी बेवजह व बिना मुंह ढके घरो से बाहर निकले, तो उनके चालान काटे। लॉकडाउन का पालन कराने की बरती गई सख्ती का असर सडको पर भी दिखने लगा है। दोपहर मे प्रमुख सडको पर सन्नाटा छा गया है। इक्का-दुक्का वाहन ही नजर आ रहे है। इस दौरान पुलिस विभाग प्रमुख चैक चैराहो व मुख्य सडक मार्गो मे गुजर रहे चार पहिया वाहनो की भी गहनता से जांच की गई। लोगो से बेवजह घर से बाहर न निकलने की अपील की गई।

न्यूज गैलरी

सेनीटाइजर का छिड़काव कर जागरूकता फैला रहे पार्षद एवं युवा कार्यकर्ता

आरंग। एक तरफ जहां पूरा विश्व कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहा है वही आरंग नगर के नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रशेखर चंद्राकर के निर्देशन में पार्षद गण ,युवा कार्यकर्ता गण एवं नगर पालिका परिषद आरंग के कर्मचारी गण आरंग नगर के गली चौराहों एवं भवनों मैं सेनीटाइजर का छिड़काव कर अपनी जागरूकता की मिसाल कायम कर रहे हैं, इसी तारतम्य में देखा गया कि वार्ड पार्षद क्रमांक 7 समीर सागीर गोरी जहां पालिका गाड़ी चला रहे हैं एवं सामने सजल चंद्राकर सैनिटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं एवं पीछे नगर पालिका कर्मचारी गण भी यही कार्य कर रहे हैं । वैसे ही हमारे छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी भी कोरोना संक्रमण के बचाव की दिशा में अपनी शानदार पहल के लिए चर्चित हैं वैसे ही आरंग नगर के अध्यक्ष,पार्षद गण , युवा कार्यकर्ता गण पुलिस प्रशासन डॉक्टर एवं नर्सों की टीम साथ ही नगरीय प्रशासन व अनुविभागीय अधिकारी आरंग का निर्देशन अपने आप में सराहनीय हैं।

नवागांव में मनरेगा कार्य आरंभ, मजदूर कर रहे सोशल डिस्टेंस का पालन

अर्जुनी। प्रशासन द्वारा जारी आदेश के मद्देनजर वह जनपद पंचायत सीईओ के निर्देशानुसार मनरेगा योजना अंतर्गत जनपद पंचायत भाटापारा के अंतर्गत गांव पंचायत नवागांव में मनरेगा के तहत परसा भदेल मार्ग में तालाब गहरीकरण बा भुंडा नाला के समीपस्थ नया तालाब का निर्माण कार्य किया जा रहा है ।इस दौरान कार्य में लगे मजदूरों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए जारी निर्देशों व नियमों का ध्यान रखते हुए पर्याप्त दूरी बनाकर कार्य किया जा रहा है ।ग्राम पंचायत के सरपंच होरीलाल वर्मा उपसरपंच भागवत मीना वर्मा,पंच ओम प्रकाश जोशी ,दूकलहा राम साहू, भूपेश दुर्गावती निषाद व सचिव खेदूराम निषाद रोजगार सहायक तिहारु राम ध्रुव मेंट रामूलाल निषाद, रितु वर्मा, योगिता वर्मा, उमेंद्र कुमार साहू सहित ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि गण के देखरेख व सतत निगरानी में कार्य हो रहा है । इसमें मजदूर नियमित रूप से सोशल डिस्टेंस को ध्यान में रखकर 1 मीटर की दूरी बना कर गोदी खोदने का कार्य कर रहे हैं ।मनरेगा अधिकारियों के द्वारा निर्देशानुसार कार्यों की सतत निगरानी की जा रही है।

केंद्र सरकार सीधे गरीबों के खाते में डाले पैसा: ममता शर्मा

डौंडीलोहारा। पार्षद वार्ड नंबर 4 ममता शर्मा ने लाकडाउन आगे बढ़ाए जाने के निर्णय को आवश्यक बताते हुए ,इसका स्वागत करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण अधिक न फैले इसके लिए लाकडाउन आगे बढ़ना उचित फैसला है ,किंतु साथ ही केंद्र सरकार को गरीबों की दिहाड़ीमजदूरों के हितों का ध्यान रखना होगा, ममता शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी के मार्गदर्शन में पूर्वर्ती यूपीए सरकार ने गरीबों दिहाड़ी मजदूरों और आर्थिक रूप से कमजोर ग्रामीणों मजदूरों को फूड सिक्योरिटी एक्ट व मनरेगा के रूप में एक ऐसा बेहतरीन व्यवस्था दी थी, जिससे लोगों को खाद्य समस्या खत्म हो गई थी। दाल चावल शक्कर इत्यादि सरकार देती थी ,किंतु खाना बनाने के लिए और भी चीजें आवश्यक है ,जिसकी अव्यवस्था गरीब अपनी मनरेगा मजदूरी से कर लिया करते थे, अब जबकि लाक डाउन के दौरान काम नहीं है तो मजदूरी भी नहीं है।

बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा को कोरोना वायरस संक्रमण रोक थाम हेतु सौंपे सहयोग राशि चेक

बेमेतरा/साजा। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्रवासीयो के साथ ही साथ समाजों के पदाधिकारीगण बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा से मिलकर बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में उनके द्वारा कोरोना वायरस के रोकथाम के हेतु किये जा रहे प्रयासों पर संतोष व्यक्त करते हुए विधायक आशीष छाबड़ा को सहयोग प्रदान करने माहेश्वरी समाज बेमेतरा के द्वारा 71 हजार 3 सौ रुपये, सेवा सहकारी समिति मोहभठ्ठा 11 हजार रुपये, रमेश तिवारी बेमेतरा 51सौ रुपये का चेक प्रदान किये। इस अवसर पर अवनिश राघव पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, रमेश तिवारी, देवरतन तापड़िया अध्यक्ष माहेश्वरी समाज बेमेतरा, अरुण राठी सचिव माहेश्वरी समाज बेमेतरा, चंद्रप्रकाश मुदड़ा, अनिल माहेश्वरी, नीतू कोठारी पार्षद बेमेतरा, गणेश माहेश्वरी, सुनील डागा, सेवा सहकारी समिति मोहभठ्ठा मोतीलाल मार्कण्डेय, संकट मोचन चौबे, अरविंद सिंह राजपूत, श्रीमतीं गोदावरी बाई, गोरेलाल साहू, संकर साहू, लीला बाई साहू उपस्तिथ रहे।

बैंक में नहीं हो रहा सोशल डिस्टेंसिंग का पालन

कवर्धा। नगर पांडातराई के जिला सहकारी बैंक में लापरवाही देखने को मिला है। यहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना छोड़ उसकी धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बैंक में पैसा निकालने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी हुई है। शासन प्रशासन लगातार कोरोना में संक्रमण से बचने के लिए लॉक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील कर रहीं हैं। लेकिन इसका कोई असर नहीं हो रहा है। खास तौर पर ग्रामीण इलाकों में ऐसी स्थिति लगातार सामने आ रही है। चाहे वो बाजार हाट का मामला हो या बैंको से पैसा निकालने के मामले हो

कोरोना वायरस के संक्रमण और लॉक डाउन की वजह से केंद्र सरकार ने जन धन खाते के जरिए लोगों को पैसा दिए हैं। और वहीं गन्ने की पैसा हो जिसे निकालने के लिए बैंको के सामने लंबी लंबी कतारें देखी जा रहीं हैं। लेकिन बैंक प्रबंधन की ओर से इस भीड़ को रोकने के लिए किसी प्रकार का समुचित उपाय नहीं किया गया है। कहीं ना कहीं ऐसे मामलों में बैंक की भी एक बडी लापरवाही कही जा सकती है। जो लगातार भीड़ आने के बावजूद इन्हें रोकने के लिए किसी तरह का कोई कारगर कदम नहीं उठा रही हैं।

पांडातराई पुलिस पर दुर्व्यवहार का आरोप

कवर्धा। लॉक डाउन के दौरान लोगों की मदद करने वाले पुलिस कर्मियों की विडियो और तस्वीरें जारी कर के जिले में पुलिस की एक जन हितैषी छवि पेश करने की कोशिश कर रहीं हैं। तब भी पुलिस के दुर्व्यवहार की कहानियाँ सामने आ रही है। एक ऐसी घटना नगर पांडातराई में राशन पैकेट बांटने वाले वालेटिंयर पर नगर पुलिस ने अपनी गलत शक्तियां जरूर दिखाई। पांडातराई युवा कांग्रेस द्वारा जरूरतमंद परिवारों को राशन मुहैया कराने का काम कर रहीं हैं। जिसके दरमियान जिला संयोजक द्वारा एटीएम से पैसा निकालने गया था। उसी बीच पांडातराई थाना प्रभारी द्वारा उसे मास्क ना पहनने के कारण वहीं कान पकड कर उठक बैठक लगवाने और उसका विडियो बनाने की बात की जिस पर युवा कांग्रेस अमिनेश गुप्ता ने ऐतराज जताया कि वे वालेटिंयर है। और उन्होंने कहा कि पैसा निकालने आया था। तथा उन्होंने अपना वालेटिंयर कार्ड भी दिखाया। जिसे मुख्य नगर पालिका अधिकारी पांडातराई द्वारा जारी किया गया था। इसके बावजूद थाना प्रभारी द्वारा शक्ति बरतते हुए उसे थाना ले जाया गया।

लॉकडाउन से फंसे लोगों को सुविधाएं पहुंचाने प्रशासन मुस्तैद

डौंडी। कोरोना वायरस को मात देने छत्तीसगढ़ की भूपेश सरकार पूरी कोशिश कर रही है। इसी क्रम में जिला कलेक्टर रानु साहू व पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा के निर्देशन में सम्पूर्ण जिला में प्रशासनिक अमला कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। लाक डाउन से फंसे लोगों को सुविधाएं पहुंचाने के लिए अधिकारी कर्मचारी, पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद हैं। चाहे यहां कोई दूसरे राज्य व जिले का मुसाफिर फंसा हो या हमारे क्षेत्र के लोग दूसरे राज्य में मुसीबत में हों, इन्हे मदद करने के सरकारी अमला कार्य कर रहे हैं। लॉक डॉउन की तारीख़ 3 मई तक

बढ़ने से आज केवटी दल्ली रेल पटरी से पैदल पलायन कर रहे 11 दिहाड़ी मजदूरों को डोंडी पुलिस ने समझाकर वापस कार्य स्थल भेजा जानकारी लेने में पता चला कि मध्यप्रदेश के डिंडोरी जिला से छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर में गत 15 फरवरी को ईंट भट्ठा में कार्य करने आये मजदूर आज खाने पीने की व्यवस्था में भारी अभाव के चलते लाकडाउन रहने बावजूद हिम्मत कर भानुप्रतापुर से रायपुर जाने वाली रेल पटरी मार्ग से पैदल वापस अपने गृहग्राम जा रहे थे। भला हो डौंडी निवासी पन्नालाल साहू का जिसने इन मजदूरों को रेल पटरी मार्ग से पैदल जाते हुए देखकर उन्हें रोक लिया जिसकी जानकारी डोंडी नायाब तहसील दार नितिन ठाकुर व थाना प्रभारी अनिल ठाकुर को मिली तब उन सभी मजदूरों को डोंडी धुरवा टोला रेलवे ब्रिज के पास रोक कर उनसे पूरी जानकारी लेकर वापस भानुप्रतापपुर जाने कहा परन्तु सुबह से ही निकले भुखे प्यास से परेशान मजदूरों को तत्काल बिस्कुट व चाय व पानी पिला कर सभी को थाना डोंडी द्वारा मास्क व सेनेटाइजर कर उन्हें आगे न जाकर वापिस अपने यथा स्थान जाने की समझाईश दी।

पालिका उपाध्यक्ष त्रिलोक सलूजा ने कराया सेनेताइजेर का छिड़काव

भाटापारा। नगरपालिका उपाध्यक्ष और वरिस्ट कांग्रेस नेता त्रिलोक सिंह सलूजा ने कोरोना वायरस महामारी के चलते अपने वार्ड वासियो की रक्षा सुरक्षा को लेकर अपने वार्ड नेहरू वार्ड में सेनेटाइज़ेर का छिड़काव किया। इस सम्बन्ध में पालिका उपाध्यक्ष त्रिलोक सिंह ने बताया की कोरोना वायरस के चलते वार्ड वासियो को सुरक्षित रखना उनका पहला दायित्व है। उन्होंने बताया की नेहरू वार्ड मे जयहिंद होटल के सामने से सतिमन्दिर मार्ग होते बस स्टेण्ड तक फिर वापसी में मण्डी के सामने से होते हुए हनुमान मन्दिर वाले इलाके में सेनेटाइजर का छिड़काव किया गया नगर पालिका कर्मचारियों के अलावा वे स्वयं कमान संभाली व जरूरी जरूरी वाले प्रमुख स्थानों में छिड़काव करने मे भिड़ गए और अपने वार्ड वालो को लाकडाउन का पालन करने व अपने आसपास साफसफाई रखने का आव्हान किया ।

राज्य के पंजीयन कार्यालय 21 अप्रैल तक रहेंगे बंद

भाटापारा। कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिए एहतियात के तौर पर राज्य के पंजीयन कार्यालय अब 21 अप्रैल तक बंद रहेंगे। इसके पहले पंजीयन कार्यालय को 14 अप्रैल तक बंद रखने के आदेश वाणिज्यि कर (पंजीयन) विभाग द्वारा जारी किया गया था। राज्य में कोरोना वायरस की फैलने की आशंका को ध्यान में रखते हुए अब आगामी 21 अप्रैल तक राज्य के सभी पंजीयन कार्यालय को बंद रखने के आदेश जारी किए गए है।

सुनील माहेश्वरी ने जाना जनपद और पालिका का हाल

भाटापारा। प्रदेश कांग्रेस सचिव एवं वरिस्ठ नेता सुनील माहेश्वरी ने जनपद एवं नगरपालिका दफ्तर पहुंचकर अध्यक्ष एवं अधिकारियों से कोरोना लाक डाउन में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशानुरूप जनता की समस्याओं और उनके राशन पानी की समुचित व्यवस्था को और अधिक मजबूत करते रहने को कहा। श्री माहेश्वरी को जनपद पंचायत के सी ई ओ सुरेश कंवर ने बताया कि पचास से अधिक ग्राम पंचायतों में 5000 से अधिक ग्रामीण मनरेगा में कार्यरत है। माहेश्वरी ने उपस्थित जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि केतुमान साहू, उपाध्यक्ष सुरेन्द्र यदु,ब्लाक अध्यक्ष भरत वर्मा के सक्रियता कि प्रशंसा करते हुए कहा कि बाकी के पंचायत में भी कार्य प्रारम्भ कराने में सहयोग करे।जरूरतमंदो को रोजगार उपलब्ध कराने में प्राथमिकता दी जाए।कार्यस्थल पर शोशल डिस्टेटिंग का पालन अनिवार्य रूप से किया जाए।

ग्राम के लोगों को मिल रहा रोजगार

- 96 ग्राम पंचायतों में रोजगार गारंटी योजना का काम जारी

लवन। विकासखंड बलौदा बाजार के अंतर्गत 106 ग्राम पंचायतों में इन दिनों महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिसमें वर्तमान में कुल 96 ग्राम पंचायतों में प्राथमिकता के कार्य तालाब गहरीकरण, कुंआ निर्माण, गौठान निर्माण कार्य कराया जा रहा है, ताकि ग्राम पंचायत के लोगों को ग्राम में ही रह कर रोजगार का अवसर प्राप्त हो सके, क्योंकि वर्तमान में मनरेगा अंतर्गत कार्यों की मजदूरी राशि श्रमिक के खाता नंबर पर 15 दिवस के भीतर हस्तांतरित कर दिया जा रहा है, जिसमें 15 दिवस में ही श्रमिकों को उनकी मजदूरी का भुगतान उनके खाते में प्राप्त हो रहा है। वर्तमान में विकासखंड बलौदा बाजार में कुल 38634 परिवार एवं 101432 श्रमिक श्रमिक पंजीकृत है जिसमें आज की स्थिति में 13371 श्रमिक कार्यरत है।

भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जरूरतमंदों को बांटा गया सब्जी

लवन। भारत रत्न से सम्मानित संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर की 129 वी जयंती पर अंचल के गांवों में उनके छायाचित्र पर सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए माल्यार्पण किया गया। प्रतिवर्ष बाबासाहेब के याद में सभा होती थी परंतु इस वर्ष लाक डाउन व धारा 144 के चलते सभी अनुयायियों के द्वारा अपने अपने घरों में ही माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया।डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज बलौदा बाजार के युवा अध्यक्ष धर्मेंद्र खूटे के द्वारा बाबा साहब की जयंती को यादगार बनाने के लिए ग्राम पंचायत बरदा के सरपंच अनिल कुमार खुटे दिनेश्वर चेलक करुणा बसंत बघेल जितेन बघेल अनिल कुमार घृतलहरे टिकेश्वर कुर्रे आदि की उपस्थिति में राष्ट्रीय आपदा घोषित कोरोना वायरस के रोकथाम के चलते लागू की गई लाक डाउन में दिहाड़ी मजदूरों असहाय को हो रही परेशानी को देखते हुए इस संकट की घड़ी में लगभग 500 जरूरतमंद लोगों को सब्जी वितरण किया गया।

डॉक्टर बाबा साहेब की जयंती सादगी से मनाया

गंडई पंडरिया। गंडई वार्ड क्रमांक 07 में स्थित डॉक्टर बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की 129वीं जयंती सादगीपूर्ण ढंग से कल मंगलवार 14 अप्रैल को मनाया गया। समाज के अध्यक्ष दादु नागदौने व नगर अध्यक्ष श्यामपाल ताम्रकार ने बाबा साहेब की स्टेचु पर माल्यार्पण किया गया एवं मोमबत्ती जलाकर संविधान निर्माता को याद किया गया। उसके बाद अध्यक्ष नागदौने ने श्रीफल तोड़कर सभी को प्रसादी का वितरण किया गया।

तबलीगी जमात से जुड़े परिवार ने किया लॉकडाउन का उल्लंघन, हुआ जुर्माना

गंडई पंडरिया। लॉक डाउन की अवधि बढ़ाने से जिला प्रशासन के साथ साथ नगरीय प्रशासन भी सतर्क हो गई है और लॉक डाउन का कड़ाई से पालन कर रहे है। इसी गंडई नगर पंचायत में इसका कड़ाई से पालन कराने हेतु नायब तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता, नगर पंचायत के सीएमओ खुमान कश्यप एवं थाना प्रभारी शिव चंद्रा पुलिस विभाग की टीम को साथ लेकर लगातार गस्त कर रहे हैं। आज इसी अनुक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान, कपड़ा दुकान, एवं अन्य दुकानें खुला पाए जाने के कारण कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी राजनांदगांव के आदेशानुसार एवं गंडई एसडीएम डॉ दीप्ति वर्मा के निर्देशन में लाक डाउन का उल्लंघन करने पर जुर्माना किया गया। तबलीगी जमात के परिवार जो हाल ही में आइसोलेशन पर रखा गया है के द्वारा लाक डाउन का खुल्लम खुल्ला उल्लंघन कर घर के अंदर से सामान विक्रय करते पाए जाने पर 10 हजार का जुर्माना भी किया गया तथा उन्हें व उनके परिवार को आइसोलेशन में ही घर पर रहने कड़ी हिदायत दी गई है।

नगर पंचायत गंडई में आज राजस्व एवं नगर पंचायत की संयुक्त टीम ने लाक डाउन का उल्लंघन करने वाले दुकानदारों पर जुर्माना ठोका है। सुबह से भ्रमण के दौरान यह पाया के जिन सेवाओं के लिए छूट मिली है।

आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने किया दान

भाटापारा। कोरोना वायरस के आपदा से निपटने के लिये मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के सहयाग की अपील और महिला बाल विकास मंत्री अनिला भेडिया के प्रोत्साहन से मानवता की सेवा में प्रदेश की लगभग एक लाख आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं व्दारा जरूतमंदो के लिये राशन दवाई और आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की पूर्ति के लिये अपने एक दिन का मानदेय राशि एवं सहायिकाओं की ओर से कुल एक करोड बैसठ लाख उन्चास हजार नौ सौ निन्यान्बे रूपये मुख्यमंत्री सहायता कोष में जमा कराने की सहमति दी गई है । इसके लिय आंगनबाडी कार्यकर्ता सहायिका संघ के प्रदेश स्तरीय संगठन के प्रांताध्यक्षको व्दारा सहमति पत्र संचालक महिला बाल विकास विभाग को भेजा जा चुका है , उक्त जानकारी बलौदाबाजार भाटापारा के जिलाध्यक्ष सतरूपा ध्रुव के व्दारा दी गयी।

कबीरधाम जिले में लागू धारा 144 आगामी 3 मई तक बढ़ाई गई

- कलेक्टर व जिला दंडाधिकारी श्री शरण ने जारी किया आदेश

कवर्धा। कबीरधाम कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी अवनीश कुमार शरण द्वारा कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव और रोकथाम के लिए पूर्व में जारी कार्यालयीन आदेश द्वारा दंड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत धारा 144 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश पारित कर संपूर्ण जिले में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 के अंतर्गत धारा 144 लागू की गई थी। जिसे वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए 3 मई या आगामी आदेश तक बढाई गयी है। कलेक्टर ने इसके आदेश जारी करते हुए कहा कि महामारी रोग अधिनियम 1897 तथा इसके संदर्भ में अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए पूर्व में जारी कार्यालयीन आदेशों द्वारा कार्यालय, प्रतिष्ठान, सेवाओं इत्यादि को दी गई छूट इस आदेश में भी यथावत् रहेगी। कलेक्टर श्री शरण ने कहा कि कोरोन वायसर के संक्रमण के बचाव और उनके रोकथाम के लिए 03 मई या आगामी आदेश तक लॉकडाउन का पूरी कढ़ाई से पालन करना होगा, साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा।

बड़ी संख्या में पेंटिंग तैयार कर तस्वीरे भेज रहे प्रतिभागी

कवर्धा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फिजिकल डिस्टेंस के आव्हान को निभाते हुए कोरोना वायरस का सम्मान करने एनएसयूआई कवर्धा द्वारा रंगोली एंव चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिला अध्यक्ष विकाश केशरी ने बताया कि उक्त कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे लिए दिन रात सेवा-सुरक्षा में लगे कोरोना वायरस का सम्मान और हौसला अफ्जाई घर मे ही रंगोली और पेंटिंग बनाकर करने के उद्देश्य से किया गया है। इसमें प्रतिभागियों को बकायदा विषय दिया गया है की उन्हें '' कोरोना संकट और भारत मे कोरोना वायरस '' पर अपनी रंगोली एंव पेंटिंग तेयार करके व्हाट्सएप ननबर 7898-959697 पर व्हाट्सएप करना है।

पीएम राहत कोष में सहयोग बना आम नगरवासियों के लिए प्रेरणा

बेरला/साजा । नगर पंचायत बेरला में विगत दिनों स्थानीय जागरूक जनो द्वारा कोरोना महामारी (कोविड-19) से बचाव व राहत हेतु प्रधानमंत्री रिलीफफंड में अपनी ओर से एक निश्चित राशि जमा की गई। जिसमें स्थानीय साई मेडिकल स्टोर्स की ओर से 5500 रुपये नगर पंचायत के माध्यम से तो वही बेरला बजरंग दल प्रमुख नितेश सोनी की ओर से 2100 रुपये फोन-पे के माध्यम से सहयोग राशि जमा की गई।

■ न्यूज गैलरी

दूसरे प्रदेशों में फंसे श्रमिकों को आपदा राशि देने कौशिक ने सीएम को लिखा पत्र

रायपुर। प्रदेश भाजपा विधायक दल के नेता धरमलाल कौशिक ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि दूसरे प्रदेशों में फंसे छत्तीसगढ़ के श्रमिकों का चिन्हांकन कर उन्हें एक हजार रुपए आपदा राशि दी जाए ताकि वे न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकें। नेता प्रतिपक्ष श्री कौशिक ने पत्र में यह भी कहा है कि नगरीय निकाय ने आदेश देकर एनजीओ सामाजिक संगठन संस्थाओं और नागरिकों को मदद पहुंचाने से रोका है, इन्हें प्रशासन की देखरेख में गाईड लाईन का पालन करते हुए सहायता उपलब्ध कराने की अनुमति दी जाए। श्री कौशिक ने पीपीई किट, टेस्ट किट और वेंटिलेटर अधिकतम खरीद कर उसे जल्द वितरित किए जाने का भी निवेदन श्री बघेल से किया है।

महावीर इंटर कांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन ने सौ पीपीई किट का किया वितरण

रायपुर। महावीर इंटर कांटिनेंटल सर्विस आर्गेनाइजेशन रायपुर के द्वारा कोरोना वायरस महामारी से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग के समर्पित चिकित्सकों पैरामेडिकल स्टाफ की सुरक्षा तथा कोरोना की रोकथाम के लिए अति आवश्यक सुरक्षा कवच पीपीई किट की पहली खेप के लिए सौ नग मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीमती मीरा बघेल को प्रदाय की गई। निशुल्क किट प्राप्त होने पर श्रीमती बघेल ने कहा कि शासन द्वारा देय पैसा तो विभाग के पास है किंतु सामान नहीं होने के कारण विषम स्थिति का सामना करना पड़ रहा था। उक्त किट मिलने से मरीजों की जांच के लिए चिकित्सा परिवार को महत्वपूर्ण सुविधा मिली है।

आरक्षण रद्द करने की ऑनलाइन सुविधा जारी, मिलेगा पूरा रिफंड

रायपुर। कोरोना वायरस के कारण लॉकडाउन की अवधि बढ़ाने के बाद सभी यात्री ट्रेनों का परिचालन 03 मई तक रद्द कर दिया गया है। हालांकि इस लॉकडाउन के दौरान आरक्षण रद्द करने की ऑनलाइन सुविधा जारी है, जिससे पहले से आरक्षित टिकटों का पूरा रिफंड देने की व्यवस्था भी जारी है। रेल मंडल सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यूटीएस और पीआरएस सहित सभी टिकट बुकिंग काउंटरों की सेवाएं अगले आदेश तक निलंबित है। साथ ही ई-टिकट सहित सभी तरह की टिकटों का अग्रिम आरक्षण अगले आदेश तक बंद है। हालांकि आरक्षण रद्द करने की ऑनलाइन सुविधा जारी है। इसी के साथ रद्द की गई रेलगाड़ियों के लिए पहले से आरक्षित टिकटों का पूरा रिफंड देने की व्यवस्था अभी तक रद्द नहीं की गई। रेलगाड़ियों के लिए पहले से आरक्षित टिकटों को रद्द कराने पर पूरा रिफंड मिलेगा।

राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की पेशी अब 21 के बाद

रायपुर। देशभर में जारी लॉकडाउन के द्वितीय चरण में भी सख्ती बरती जा रही है। इधर लॉकडाउन के चलते राज्य सरकार के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की पेशी की तारीख में भी वृद्धि किया गया है। सूत्रों ने बता या कि राजस्व न्यायालयों में लंबित राजस्व प्रकरणों के पेशी की तारीख 21 अप्रैल या उसके बाद की तिथि निर्धारित करने का निर्देश जारी किया है। कोविड-19 संक्रमण की रोकथाम के लिए वर्तमान में देशभर में लॉकडाउन की अविध आगे बढ़ाते हुए अब 03 मई निर्धारित किया गया है। इसके चलते राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों की पेशी की तारीख भी 21 अप्रैल या उसके बाद की तिथि निर्धारित करने कहा गया है।

लॉकडाउन 2 : केन्द्र सरकार ने जारी की विस्तृत गाइडलाइन

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। लॉकडाउन के दूसरे चरण की घोषणा के बाद आज केन्द्र सरकार ने देश के सभी राज्यों के लिए विस्तृत गाइडलाइन जारी कर दी है। इस गाइड लाइन में कई बिंदुओं पर छूट दी गई है तो वहीं अधिकांश बिंदुओं पर प्रतिबंध जारी रखा गया है। 20 अप्रैल तक देश के सभी राज्यों, जिलों और थाना स्तर की विस्तृत अध्ययन के बाद केन्द्र सरकार कुछ और छूट दे सकती है। गृह मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और प्रशासनिक अधिकारियों को भेजे गए विस्तृत गाइडलाइन में कहा गया है कि कृषि से जुड़े कामों के लिए रियायत दी जाएगी। मनरेगा के तहत काम होगा। वहीं, औद्योगिक गतिविधियों पर रोक जारी रहेगी। सभी तरह के परिवहन सेवाओं पर रोक रहेगी। सावर्जनिक स्थानों पर मास्क पहनना अनिवार्य होगा।

इन बिंदुओं पर प्रतिबंध रहेगा जारी

सभी डोमेस्टिक या इंटरनेशनल फ्लाइट, ट्रेन (पैसेंजर की आवाजाही के लिए), सभी एजुकेशनल-ट्रेनिंग-कोचिंग सेंटर, इंडस्ट्रियल व कॉमर्शियल गतिविधि, होटल, टैक्सी, ऑटो रिक्शा, साईकिल रिक्शा, सिनेमा हॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, जिम, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, स्वीमिंग पूल, बार, थियेटर, कोई भी इवेंट, सभी धार्मिक स्थान बंद रहेंगे। इसके अलावा किसी भी अंतिम संस्कार में 20 से अधिक लोगों को शामिल होने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

इन्हें मिली रियायत

आवश्यक सामानों और दवाईयों का उत्पादन जारी रहेगा। स्र्श्रं के तहत उत्पादन जारी रहेगा। इसके अलावा कुछ शर्तों के साथ ट्रकों को आवाजाही की इजाजत दी गई है। ग्रामीण इलाकों में औद्योगिक गतिविधियां जारी रहेंगी। केबल टीवी, डीटीएच, टेलिफोन समेत आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी। बिजली मैकेनिक, कॉरपेंटर को इजाजत दी गई है।

कृषि से जुड़े कामों में रियायर्त

केंद्र सरकार ने किसानों को राहत देते हुए कृषि से जुड़े कामों को इजाजत दे दी है। किसानों को अपनी फसल काटने और बुवाई करने की छूट दी गई है। साथ ही एजेंसियों को किसानों की उपज खरीदने की इजाजत दी गई है। मछली पालन से जुड़ी गतिविधियों को इजाजत दी गई है।

घर से निकलने पर मास्क जरूरी

नई गाईडलाइन्स में कहा गया है कि ये सभी गतिविधियां राज्य/ केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा अनुमति देने के बाद शुरू होंगी हालांकि इससे पहले सोशल डिस्टेंसिंग के उपाय भी किये जाएं। निर्देश में कहा है कि सभी सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों पर फेस कवर पहनना अनिवार्य है। वहीं सार्वजनिक स्थानों पर थूकना दंडनीय होगा और इसके लिए भारी जुर्माना लगाया जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानें 3 तक बंद

दिशानिर्देश में कहा गया है कि सिनेमा हॉल, मॉल, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, व्यायामशाला, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, स्विमिंग पूल और बार 3 मई तक बंद रहेंगे। इसके साथ ही शैक्षिक संस्थान, कोचिंग सेंटर, घरेलू, अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा, ट्रेन सेवाएं तीन मई तक स्थगित रहेंगी। बताया गया है कि एक राज्य से दूसरे राज्य और जिले से दूसरे जिले तक लोगों की आवाजाही, मेट्रो, बस सेवाओं को 3 मई तक प्रतिबंधित किया गया है। गृह मंत्रालय ने कहा कि सभी सामाजिक, राजनीतिक, खेल, धार्मिक कार्य, धार्मिक स्थल, पूजा स्थल 3 मई तक जनता के लिए बंद रहेंगे।

मनरेगा और कंस्ट्रक्शन वर्क को इजाजत:

केंद्र ने मनरेगा के तहत कार्यों को जारी रखने का निर्देश दिया है। सोशल डिस्टेनसिंग बनाए रखने की अपील की गई है। इसके साथ राज्य सरकार की ओर किए जा रहे कंट्रक्शन वर्क में भी रियायत दी गई है।

हॉटस्पॉट क्षेत्रों में कोई छूट नहीं

कोरोना के हॉटस्पॉट एरिया में कोई रियायत नहीं दी जाएगी। इन इलाकों में स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी गाइडलाइन का पालन किया जाएगा. साथ ही किसी को भी बाहर निकलने की इजाजत नहीं होगी। आवश्यक सामानों की होम डिलिवरी होगी। एरिया की सुरक्षा में लगे जवान और मेडिकल स्टाफका ही मूवमेंट होगा।

20 अप्रैल के बाद सशर्त मिल सकती है छूट

जिन इलाकों में कोरोना के मामले नहीं आएंगे, उन्हें रियायत मिल सकती है. इसकी समीक्षा 20 अप्रैल तक की जाएगी. इस समीक्षा के बाद कुछ इलाकों में मामूली रियायत दी जाएगी। रियायत देने से पहले राज्य सरकार और जिला प्रशासन की ओर से गाइडलाइन के पालन के सारे उपाय किए जाएंगे, ताकि ऑफिस, वर्कप्लेस, फैक्ट्री या संस्थानों में सोशल डिस्टेनसिंग का पालन हो।

तीन बेटे दिल्ली में फंसे, नाबलिग ने दिया पिता को मुखाग्नि

■ लॉकडाउन के कारण पिता के अंतिम दर्शन भी नहीं मिला

■ प्रशासन से लगाई गुहार, भाईयों को लाने में मदद करें सरकार

मुगेंली/नवप्रदेश। कोरोना वायरस ने सारी दुनिया को घरों में कैद कर दिया है। ऐसी अवस्था में यदि किसी के घर निधन हो जाए तो उस पर क्या गुजरती है ऐसा ही एक मामला आज जिले के ग्राम रबेली से आया है। ग्राम रबेली में निवासरत बैसाखु कश्यप उम्र 80 वर्ष का आज निधन हो गया है। बैसाखु के चार पुत्र है जिसमें से तीन लड़के कमाने के लिए दिल्ली गए हुए है। घर में केवल तीन लोग रह रहे थे जिनमें से बैसाखु का आज निधन हो गया। पत्नि शांति बाई कश्यप उम्र 60 वर्ष और छोटा लड़का रामकुमार कश्यप 16 वर्ष के साथ रहते थे। आज जब बैसाखु का निधन हुआ तो इसकी सूचना सभी भाईयों को दी गई, किन्तु कोरोना वायरस के कारण देश में लॉकडाउन लगा हुआ है जिसके चलते तीनों भाई यहां आ नहीं सकते है। ऐसे विकट समय में सगे संबंधी भी उनके अंतिम संस्कार में शामिल नहीं हो पाए और पड़ोसी भी इस दुःखद समय में शामिल नहीं हो पाए। छोटा पुत्र रामकुमार को अंतिम क्रिया का कोई ज्ञान भी नहीं है उसके बावजूद रामकुमार ने कुछ सदस्यों के सहारे अपने पिता का दाहसंस्कार किया। रामकुमार का कहना है कि उसे इस घड़ी में समझ नहीं आ रहा है कि वह क्या करें।

दिल्ली में फंसे हैं 15 सदस्य

रामकुमार ने बताया कि दिल्ली विजय बिहार फेस 1 सेक्टर 5 शनिबाजार रोड न्यु दिल्ली रोहणी में परिवार के सभी सदस्य मृतक के तीनों पुत्र, पुत्रवधु, नाती व बेटी, दमाद पोता, पोती सभी वही है रामकुमार ने बताया कि दिल्ली के विधायक और पार्षद से लोरमी रबेली जाने के लिए आवेदन किये है लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिल पाया है।

तीनों भाई दिल्ली में फंसे हुए है वे आ नहीं सकते जिसके चलते रामकुमार काफी चिंचित है। रामकुमार ने प्रशासन से मांग की है कि वे अपने भाईयों को दिल्ली से लाने में उसकी मदद करें। बाकी क्रियाकर्म में उनके भाई उसके साथ हो। रामकुमार ने कहा कि परिवार की माली हालत ठीक नहीं है। ऐसे में बड़े भाईयों का उनके पास होना जरूरी है।

दिल्ली में फंसे परिवार को नहीं मिल पा रहा है राशन

वही इस बैसाखु की निधन की बात को लेकर जब पुत्र जेठुराम से बात किया गया तो उनके द्वारा बताया कि आवेदन दिया जा रहा है परमिशन के लिए उचित माध्यम नहीं मिल पा रहा है पुलिस के पास जाकर मामले की जानकारी देगे अगर कुछ हो पाता है तो उनसे बात करेगे। इस दौरान जेठु ने बताया कि राशन भी खत्म हो गया है अभी तक किसी भी प्रकार से कोई मदद का नहीं मिली है।

ये है मृतक परिवार के सदस्य जो दिल्ली में फंसे है

कांशीराम पिता बैसाखु, भगवती पति कांशीराम, हेमलता पिता कांशीराम, दीपक पिता कांशीराम, दीपांशु पिता कांशीराम, घांसीराम पिता बैसाखु, प्रेमलता पति घासीराम, प्रियंका पिता घासीराम, जेठुराम पिता बैसाखु, सुनिता पति जेठुराम, छाया पिता जेठुराम, पुत्री उषा पति नारायण, दामाद नारायण पिता बलराम, निधी पिता नारायण।

दाऊ भूपेश की तत्परता से दूसरे राज्यों में फंसे 64,416 श्रमिकों को ऐसे पहुंची राहत

चंद घंटों में प्रवासी मजदूरों के खाते में जमा हो गई राशि

■ 6556 श्रमिकों के खाते में 19.12 लाख रूपए किया जमा

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। लॉकडाउन से प्रभावित छत्तीसगढ़ प्रदेश के अन्य राज्यों में फंसे प्रवासी श्रमिकों के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की पहल एवं निर्देशन में राज्य सरकार ने 14 अप्रैल शाम 4 बजे तक संकटग्रस्त 64 हजार 416 श्रमिकों को भोजन, ठहरने और चिकित्सा सुविधा सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर उन्हें राहत पहुंचायी हैं। इनमें अब तक छह हजार 556 श्रमिकों के खाते में तत्कालिक व्यवस्था के लिए लगभग 19 लाख 12 हजार रूपए भी जमा करवाया गया है। छत्तीसगढ़ के श्रमिक देश के 20 अन्य राज्यों एवं चार केन्द्र शासित प्रदेशों में संकट की स्थिति में होने के संबंध में जानकारी मिली है।

श्रम विभाग के अधिकायरियों ने आज यहां बताया कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संकटग्रस्त 6556 श्रमिकों को

राहत पहुंचाने के लिए तात्कालिक व्यवस्था के रूप में जिला बेमेतरा के 4879 श्रमिकों के खाते में 15 लाख 45 हजार रूपए, मुंगेली जिले के 1483 श्रमिकों के खातें में एक लाख 73 हजार रूपए और कबीरधाम जिले के 194 श्रमिकों के खातें में प्रति श्रमिक 1000 रूपए की मान से एक लाख 94 हजार रूपए जमा कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशन पर श्रम विभाग के सचिव सोनमणी बोरा के मार्गदर्शन में अन्य प्रदेशों के स्थानीय प्रशासन से सतत् समन्वय कर श्रमिकों की समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान किया जा रहा है।

वृक्षारोपण की योजना हुई फ्लाप, कैसे हो प्राकृतिक संतुलन

राधेश्याम पटेल

30 लाख का उच्च तकनीक असिंचित मिश्रित वृक्षारोपण कार्य

मैंनपुर। समय-समय पर शासन प्रशासन की ओर से चलाई जाने वाली वृक्षारोपण की योजनाएं लगभग जिले में फ्लाप होती नजर आ रही है। लगातार प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए साल दर साल वृक्षारोपण किया जाता है। लगातार घने जंगल में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई की जा रही है जिस पर वन विभाग और प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा है। लगातार वन विभाग के द्वारा लोगों को जागरूक करने और पेड़ों की कटाई नहीं करने और वृक्षारोपण करने पर जोर दिया जाता है।

वृक्षारोपण योजना को काफी सक्रियता के साथ लगभग चार दशक पूर्व 20 सूत्री योजना के माध्यम से सामने लाया गया। इसके पश्चात अनेक स्वयंसेवी संस्थाओं, वन विभाग एवं अन्य कई ग्रामीण योजनाओं के तहत वृक्षारोपण कार्य संचालित किये गए। लेकिन इनमें अधिकांश पौधा रोपण फाइलों में ही नजर आते है। फाइलों में ही संरक्षित हुए और फिर अधिकारी के जाते-जाते लापता पौधे भी गायब हो जाते है। इसके अलावा कभी कभी तो नेताओं के जन्मदिन पर वृक्षारोपण, मनरेगा योजना के तहत भी वृक्षारोपण होता है मगर वृक्षों की संख्या में कभी कोई वृद्धि नजर नहीं आती हैं। बताना लाजमी होगा कि अफसरशाहों के गढ़ कहे जाने वाले जिला गरियाबंद वन मण्डल अंतर्गत वनपरिक्षेत्र धवलपुर (सामान्य) के कक्ष क्रमांक 867 में 30 लाख रुपये की लागत से वर्ष 2015-16 में उच्च तकनीक असिंचित मिश्रित व्रक्षारोपण कार्य 25 हेक्टेयर भूमि पर किया गया था। जिसका कुल रकबा 35.110हेक्टेयर भूमि है जिस पर 27500 पौधे तीन वाई तीन की दूरी पर लगाये जाने थे। किंतु मौके पर 30 लाख रुपए की लागत से कराए गए वृक्षारोपण में भारी धांधली नजर आ रही है। विभाग ने 4 वर्ष में दस प्रतिशत पौधे भी वन विभाग नहीं बचा सका है जबकि विभाग को वृक्ष रोपण कार्य मे पांच वर्षों तक पौधे की देख भाल करना होता है। जिसमें वन कर्मचारियों द्वारा भारी लापरवाही उजागर हुई। वनविभाग शासन की योजनाओं की धज्जियां उड़ाते नजर आ रहा है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा वनों के विकास हेतु करोड़ों अरबों रुपए खर्च करके योजनाओं को संचालित करती है। लाखो रुपए की राशि स्वीकृत कर पौधारोपण की जिम्मेदारी वन विभाग को सौंप दी जाती है। किन्तु वन विभाग की उदासीनता के कारण योजना सिर्फ कागजों में नजर आती है।

नहीं होता योजनाओं का क्रियान्वयन

ज्ञात हो कि वन परिक्षेत्र धवलपुर (सामान्य)कक्ष क्रमांक 867में मिश्रित पौधे का वृक्षारोपण कराया गया था। कुल पौधे 27500 लगना था जिसकी दूरी तीन वाई तीन मीटर की दूरी पर लगना था। वृक्षारोपण वर्क साइडिंग कार्य को विभाग ने बकायदा फेसिंग के साथ पौधारोपण की योजना बनाई थी जिस पर पांच वर्षों तक वनविभाग को पौधे लगाकर प्रत्येक सालाना जुलाई-अगस्त माह में प्रत्येक पौधे को 2 डोज में 25-25 ग्राम खाद डालकर और समय-समय पर पौधों में पानी सिंचित भी करना था। वर्क साइडिंग फर्म कराए गए। पौधे के चारों ओर फेसिंग, बाउंड्री और तार के द्वारा 5 फेसिंग कांटेदार तार के द्वारा फेसिंग कराना था। एक बार विभाग ने तो वर्क करा दिया और वर्ष 2015-16 से अब तक पूरी राशि 30 लाख खर्च भी कर डाली है और वनविभाग ने कार्य पूर्ण रूप से करा कर बंद भी कर दिया। परंतु मौके पर ना तो कभी फेसिंग हुआ और ना ही पौधों के सुरक्षा के इंतजाम हुए। दिखावे के नाम पर कराए गए वृक्षारोपण के स्थान पर सपाट मैदान और घास फूस ही नजर आ रही है। जो पेड़ नजर आ रहे है वो पहले ही मौजूद थे।

ग्रामीणों ने की जांच की मांग

30 लाख रुपए की स्वीकृत राशि गई जिसमें केवल 10 प्रतिशत पौधे जिंदा बच पाए है। न पौधों की देख रेख की जाती है, न ही उसमें पानी-खाद्य की व्यवस्था की जाती है न समय-समय पर विभाग के द्वारा कियान्वन किया जाता है। ऐसे में सरकार द्वारा लाखों रुपए की राशि खर्च होने के बाद भी धरातल पर कुछ नजर नहीं आता। ग्रामीणों की मांग है कि ऐसी योजनाओं के माध्यम से सरकार की लाखों रुपए की राशि खर्च होने के बाद भी विभाग द्वारा कोई काम नहीं होता इस पर जांच की जाए तो कई मामलों का खुलासा हो सकता है।

क्या कहते है जिम्मेदार

इस सम्बंध में राजेंद्र सोरी वन परिक्षेत्र अधिकारी धवलपुर (सामान्य)से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि उक्त वृक्षारोपण कार्य वित्तीय वर्ष 2015-16 में हुआ है जिसकी स्वीकृत राशि दो बार में 30 लाख रुपय है। यहाँ कार्य पूर्ण भी हो चुका है, इसकी स्वीकृत राशि भी व्यय हो चुकी है, मैं उस समय उत्पादन में था, धवलपुर में अभी कुछ माह पूर्व ही मेरी पोस्टिंग हुई हैं अब पूर्व में किस तरह का वृक्षारोपण कार्य करवाया गया है ये तत्कालीन अधिकारी ही बता सकते है। इस विषय पर मयंक अग्रवाल वन मंडल अधिकारी से चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि अपने माध्यम से मुझे जानकारी मिली है। इसकी जांच करवाकर आपको बताता हूँ।